डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

वर्ष : 10 > अंक : 14 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

पद और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग व्यक्तित्व के पतन का प्रतिक है। शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, गुरुवार, 21 सितम्बर 2023

डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा का अवैध बंगला प्रतिबंधित इकोलॉजिकल जोन जामडोली में आज भी क़ायम क्यों?

हृदेश कुमार शर्मा डीएलबी डायरेक्टर एवं इकोलॉजिकल प्रतिबंधित जोन जामडोली के अवैध बंगले के मालिक

- मलाईदार पदों का दुरुपयोग करके जेडीए जोन 10 के प्रतिबंधित इकोलॉजिकल जोन में 2000 वर्गगज में IAS हृदेश शर्मा ने बनाया भव्य अवैध पक्का बंगला
- आख़िर ध्वस्तीकरण के लिए अब तक जेडीए का बुलडोज़र क्यों नहीं पहुँचा इस अवैध बंगले पर?

IAS हृदेश शर्मा का जामडोली बंगला अवैध कैसे ?

- डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा के पिता हरिहर स्वरूप शर्मा के नाम से यह अवैध पट्टा आंवटित हुआ है जिसमें खसरा नंबर और भूखण्ड संख्या अंकित ही नहीं है और गवाह में भी स्वयं डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा के हस्ताक्षर हैं?
- आख़िर जेडीए के तात्कालीन भ्रष्ट अधिकारियों ने जामडोली के किस खसरा नंबर पर और किस प्लॉट संख्या का आवंटन किया था हृदेश कुमार शर्मा के पिता हरिहर स्वरूप शर्मा को ?
- आज वर्तमान में अवैध बंगले पर अंकित है - IMPAKT 133-34, केशव गार्डन स्कीम, जामडोली जयपुर-302031और GSTIN नंबर 08ADWPB6286C1ZA भी है।
- जामडोली स्थित इस बंगले की निर्माण स्वीकृति, नक़्शा ले आउट प्लान पास नहीं है क्योंकि यह क्षेत्र इकोलॉजिकल जोन प्रतिबंधित क्षेत्र है इसमें आवासीय योजना अनुमोदित है ही नहीं! फिर यह बंगला बना कैसे और आज तक टिका है कैसे और क्यों ?
- 18 अक्टूबर 2002 को विक्रय पत्र संख्या 237 का पट्टा पिता हरिहर स्वरूप शर्मा के नाम आवंटित हुआ और 22 अक्टूबर 2002 को नगर निगम के कमिश्नर पद से हृदेश शर्मा रिलीव हो गए यानी रिलीव होने से 4 दिन पूर्व में ही सारा खेल खेल गए आईएएस हृदेश शर्मा!
- प्रशासनिक दबदबे और यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के क़रीबी अधिकारी होने के प्रभाव में अवैध घर के आसपास अवैध पक्की सड़क भी बनवा ली गयी!

जयपुर से जामडोली दूरी तय करने में सरकारी 3-3 गाड़ियों का दुरुपयोग तो लगातार हो ही रहा है इसका ख़ुलासा भी जल्द सामने आएगा अगले अंक में।

IMPAKT 133-34, केशव गार्डन स्कीम, जामडोली जयपुर इसके पट्टे में खसरा नं. और भूखण्ड संख्या ग़ायब है।

जवाब दे सरकार!

हेमाराम चौधरी वन एवं पर्यावरण मंत्री,राज. सरकार

शांति धारीवाल, यूडीएच मंत्री राज.सरकार

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। आगरा जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 के दोनों तरफ सेट क्षेत्र के साथ जो आगरा रेलवे लाइन तक जाता है स्थित जामडोली को इकोलॉजिकल जॉन के रूप में आरक्षित रखा गया है। जिसमें आवासीय योजनाएँ पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस पर आज भी मास्टर डवलपमेंट प्लान 2011 में दिनाँक 1 सितंबर 1998 से लागू हुआ नियम प्रभावशाली है इसीलिए आज तक जामडोली भाग में केशव विद्यापीठ के आसपास कोई भी (नगरीय भूमि निष्पादन नियम 1974 के तहत) आवासीय योजना का लेआउट प्लान अनुमोदित नहीं हुआ है।इसके बावजूद इस प्राकृतिक पारिस्थितिकी जोन में डीएलबी डायरेक्टर हृदेश कुमार शर्मा ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण के कुछ अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर 1000 वर्ग गज के क्षेत्रफल के दो भूखंड का (नगरीय भूमि निष्पादन नियम 1974 के प्रावधानों के विपरीत जाकर) आवंटन करवा लिया इसमें से एक भूखण्ड अन्य व्यक्ति के नाम से 1000 वर्ग भूमि को आवंटित करवाया गया है और दोनों भूखण्डों का अवैध पुनर्गठन कर बिना स्वीकृति के आवासीय निर्माण करवाया गया है।

अपने सेवा काल में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में जेडीए नगर निगम जयपुर आदि में सेवारत रह चुके हैं हृदेश कुमार शर्मा पर जेडीए,जयपुर नगर निगम में मास्टर प्लान में पारिस्थितिक जोन को बचाने की जिम्मेदारी भी रही है लेकिन राज्यहित में समर्पित ना होकर उन्होंने स्वयं को बहुत अधिक लाभ दे दिया है।

हालांकि ग्रीन बेल्ट के अनुरक्षण के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय काफी दृढ़ रहा है तथा डीबी रीट याचिका संख्या 1554/2004 (गुलाब कोठारी बनाम स्टेट आफ राजस्थान व अन्य) में दिनांक 12 जनवरी 2012 व 15 दिसंबर 2018 को पारित निर्णय में जारी निर्देश की लगातार मॉनिटरिंग आज भी हो रही है लेकिन शासनिक और प्रशासनिक दबदबे के नीचे दबकर देश हित और समाजहित तो दब ही गया है साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी आघात पहुँचाने का काम इन महान IAS अधिकारी हृदेश शर्मा ने किया है।

डीएलबी डायरेक्टर का इकोलॉजिकल जोन में यह अवैध बंगला निर्माण, इकोलॉजिकल जोन के नियमों के विरुद्ध तो है कि राजस्थान उच्च न्यायालय की अवमानना का प्रतीक भी है।

जेडीए के जामडोली क्षेत्र में इकोलॉजिकल जोन -10 में प्रवर्तन शाखा द्वारा अवैध विलाओं और योजनाओं को सील करने व ध्वस्त करने की कार्यवाही की एक झलक लगातार जारी फिर ये अवैध बंगला आज भी सुरक्षित कैसे-? जेडीए की ताबड़तोड़ कार्यवाहियों की एक झलक-

- कल 20 सितंबर 2023 को श्याम विहार कॉलोनी में 10 विला एवं इससे पूर्व में श्याम नगर में 14 विला ध्वस्त।
- जुलाई 2021 में जेडीए जोन-10,आगरा रोड़, केशव विद्यापीठ चौराहा, जामड़ोली के खसरा नंबर 717 मुख्य रोड़ पर अवैध निर्माण सील और ध्वस्तीकरण की कार्यवाही।
- आगरा रोड,पालडी मीणा चन्दा गार्डन के पीछे भूखंड संख्या-65 में अवैध निर्माण तीन मंजिला व्यावसायिक भवन को सील।
- आगरा रोड पर बैरवा पेट्रोल पंप के पास बने अवैध कॉलोनी के निर्माण ध्वस्त।
- सुमेल रोड़ पर रूपा की नांगल में करीब 16 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध फार्म हाउस योजना पर बुलडोजर।
- जोन-10 में सुमेल रोड़ पर रुकमणी नगर कॉलोनी में
- 2 दुकानों के अवैध निर्माण ध्वस्त।
- विजयपुरा में बसन्त विहार कॉलोनी आवासीय में
- व्यावसायिक उपयोग 3 विलाज ध्वस्त।
- जयसिंहपुरा खोर में रोहित नगर कॉलोनी 4 विलाज ध्वस्त।
- जयसिंहपुरा खोर में रोहित हॉस्पिटल के पास 6 विलाज ध्वस्त।
- जयसिंहपुरा खोर में पूर्व में ध्वस्त करने के बाद भी दोबारा बन रहे अवैध कॉलोनी लल्लु नगर में 9 अवैध विलाज पर बुलडोजर।
- इकोलॉजिकल जोन-10 में ही रामनगर, विजयपुरा में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बसाई जा रहीं अवैध कॉलोनी को ध्वस्त।
- मोती नगर, विजयपुरा में 2 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बसाई जा रहीं अवैध कॉलोनी ध्वस्त।
- इस प्रकार तात्कालीन मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक, जेडीए प्रवर्तन शाखा अधिकारी रघुवीर सैनी ने जोन 10 में ताबड़ तोड़ कार्यावाहियाँ की हैं और इस दौरान नए मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक अधिकारी धर्मेंद्र यादव भी लगातार अवैध निर्माणों तोड़ रहे हैं व इकोलॉजिकल जोन को सुरक्षित कर रहे हैं लेकिन हृदेश कुमार शर्मा का अवैध बंगला आज भी खड़ा है।
- 2021 में हृदेश कुमार शर्मा जेडीए सचिव थे व वर्तमान में डीएलबी निदेशक हैं इसीलिए इन साहब का पक्का ग़ुलाबी बंगला जेडीए की प्रवर्तन शाखा को कभी नज़र नहीं आता।
- ग़ुलाबी शहर के इकोलॉजिकल जोन जामडोली (आवासीय प्रतिबंधित क्षेत्र) में अवैध ग़ुलाबी बंगला इनके द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार को पूरी तरह प्रमाणित करता है और शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करता है।*

ख़बर-बेख़बर-1

(पीएचईडी में सेवारत पारितोष गुप्ता द्वारा शिप्रापथ मानसरोवर 34/26 में अनोखा अवैध निर्माण)

सीएम गहलोत की वृद्धजन सुरक्षा नीति पर भारी सरकारी अधिकारी

प्लॉट न. 34/26 जिसका अवैध निर्माण और अतिक्रमण

पीड़ित सीनियर सिटीजन सोमानी की छत पर उतर कर पारितोष गुप्ता के कारीगर द्वारा अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण

34/26 शिप्रा पथ मानसरोवर के सिरफ़िरे मालिक पीएचईडी में सेवारत परितोष गुप्ता ने ज़ीरो सेटबैक से पड़ौसी सोमानी के घर की सीमा में घुसकर कर किया कब्जा और अवैध निर्माण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सेटबैक के मामले में बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करते हुए बिल्डर्स के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि निगम में सांठगांठ, मिलीभगत,भाई भतीजावाद के चलते पड़ौसी के मकान की सीमा में घुसकर ही नहीं बल्कि उसकी छत पर चढ़कर अवैध निर्माण करने को आमादा होने लगे हैं। ये दुःसाहसी बिल्डर्स बिना निर्माण स्वीकृति,ज़ीरो सेटबैक अवैध निर्माण कर आम आदमी के हितों का हनन कर रहे हैं।

गुंडागर्दी और मनमानी करते ऐसे लोग अपने रसूख के चलते अपने न्यायिक,शासनिक और प्रशासनिक सम्बंधों का डर बैठाकर आम आदमी के हितों को कच्चा चबा जाते हैं।

हिलव्यू समाचार टीम जल्द ही उपायुक्त मुकेश कुमार,स्थानीय विधायक,पार्षद, आयुक्त व मेयर नगर निगम ग्रेटर एवं स्वयं पारितोष गुप्ता से भी इस सम्बंध में संपर्क कर टिप्पणी लेगा कि आख़िर क्या वजह है कि सीनियर सिटीजन दम्पत्ति को इस तरह परेशान किया जा रहा है और उसे अभी तक राहत क्यों नहीं मिल पाई है।

परितोष गुप्ता पीएचईडी विभाग राज.सरकार में सेवारत होने के साथ-साथ न्यायिक,शासनिक एवं प्रशासनिक दबदबे की धमकी देकर डरा रहे सिनियर सिटीजन सोमानी दंपत्ति को?

क्या है मामला?

सरकारी अधिकारी की दबंगता खा गई सीनियर सिटीजन के घर को

मानसरोवर शिप्रापथ भूखण्ड संख्या 34/26 के मालिक एवं सरकारी सेवा में सेवारत पारितोष गुप्ता ने ज़ीरो सेट बैक का उल्लंघन करते हुए सीनियर सिटीजन सोमानी दम्पत्ति की अनुपस्थिति में उनके मकान 34/25 में अपने मकान का निर्माण करते हुए अवैध कब्जा और अतिक्रमण कर लिया। सीनियर सिटीजन सोमानी के मेनगेट पर लगी लैम्प पोस्ट लाइट तोड़कर फैंक दीं और परितोष गुप्ता का दुःसाहस यही नहीं रुका बल्कि सोमानी की छत पर कारीगरों को खड़ा करके स्वयं के घर का अवैध निर्माण करवाया और अतिक्रमण किया। सोमानी के घर के दो कमरे डेमेज और सीलन युक्त हो गए इलेक्ट्रॉनिक सामान ख़राब हो गया। पारितोष गुप्ता के वहशीपन की सीमा इस हद तक बढ़ी की वो अपने पूरे परिवार को लेकर सोमानी सीनियर सिटीजन के साथ गाली-गलौच और मारा पीटी पर उतर आया है। पारितोष गुप्ता ने अपने न्यायिक और प्रशासनिक सम्बंधों का प्रयोग करते हुए नगर निगम ग्रेटर एवं मानसरोवर निगम जोन में ऐसा माहौल खड़ा कर दिया कि आज तक पीड़ित पक्ष सिनियर सिटीजन सोमानी दम्पत्ति की पीड़ा बरक़रार है बल्कि पारितोष गुप्ता द्वारा धमकियाँ लगातार जारी हैं। 9 मार्च 2023 से निगम में पीड़ित ने शिक़ायत दर्ज कर रखी है लेकिन निकम्मे निगम ने कोई कार्यवाही अब तक नहीं की है। आख़िर आम जनता के दुःखों और पीड़ा को कहाँ राहत मिलेगी जब शासन और प्रशासन पूरा का पूरा भ्रष्टाचार के दलदल में दबा होगा और रसूख वाले लोग गुंडागर्दी कर अपने न्यायिक, शासनिक और प्रशासनिक सम्बंधों का नाज़ायज़ फ़ायदा उठाएंगे?

हिलव्यू समाचार टीम जल्द ही उपायुक्त मुकेश कुमार,स्थानीय विधायक,पार्षद, आयुक्त व मेयर नगर निगम ग्रेटर एवं स्वयं पारितोष गुप्ता से भी इस सम्बंध में संपर्क कर टिप्पणी लेगा कि आख़िर क्या वजह है कि सीनियर सिटीजन दम्पत्ति को इस तरह परेशान किया जा रहा है और उसे अभी तक राहत क्यों नहीं मिल पाई है।

ख़बर-बेख़बर-2

(शासन और प्रशासन की आँखों में धूल झौंकने में माहिर बिल्डर्स)

बिल्डिंग बायलॉज के नियम की धज्जियाँ उड़ रही मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर में

आवासीय में कॉमर्शियल निर्माण, ज़ीरो सेटबैक, बिना भू-रूपांतरण, बिना स्वीकृति, बिना भूमि पुनर्गठन करवाये असंख्य बनती बहुमंज़िला बिल्डिंग्स मालवीय जोन नगर निगम ग्रेटर के भीतर पक रही कहानी को उजागर करती है

अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग 529, व्यास मार्ग गली न.05 राजापार्क जयपुर

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजापार्क गली नम्बर 5 में व्यास मार्ग पर प्लॉट नम्बर 526 व 529 पर आवासीय में गगनचुम्बी बिना सेटबैक के बनती बिल्डिंग्स बिल्डर्स की मोटी काली कमाई का ज्वलंत उदाहरण है ।

बेख़ौफ़ होकर बिल्डिंग बायलॉज के सभी नियमों को ताक पर रखकर बैसमेन्ट और पेंट हाउस सहित बनाई जा रही बिल्डिंग्स बिल्डर्स और जोन के अधिकारियों से मिलीभगत का पुख्ता सबूत देती हैं।

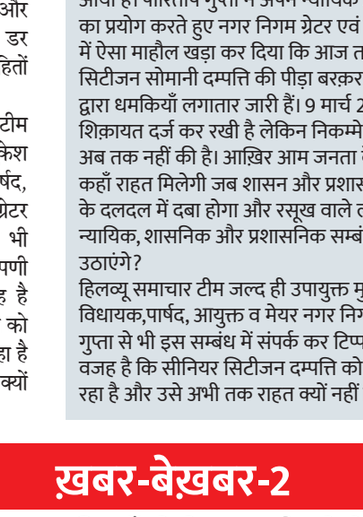

अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग खन्ना हाइट्स 526, व्यास मार्ग, गली न.05 राजापार्क, जयपुर

अपने अड़ोसी-पड़ौसी के प्राकृतिक हितों का भी ध्यान नहीं रखकर बनाई जाने वाली गगनचुम्बी इमारतें आज सीना ताने खड़ी हैं और आम जनता के दिल और दिमाग से शासन और प्रशासन द्वारा बनाये गए नियमों की अवेहलना करने की शिक्षा दे रही है और साथ ही भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबे हुए अधिकारियों व कर्मचारियों की खुले रुप से कहानी कह रही हैं।

अगर ग़लती से कभी कोई पड़ौसी बिल्डर्स को नियमों के तहत निर्माण करने के लिए कहता है तो उसे खुले रूप में कहा जाता है कि 'क्या कर लेगा नगर निगम?सब सेटिंग है जमकर खिलाया है कोई कुछ नहीं कर सकता'

सोचने का विषय है कि इन बिल्डर्स को इतनी हिम्मत और दुःसाहस कहाँ से मिलता है कि ये बेख़ौफ़ होकर अवैध निर्माण और अतिक्रमण करते हैं।

(पंचवटी के भूमाफ़ियायों का इतिहास पार्ट -02)

राजापार्क माफ़ियाओं के पास है करोड़ों की अवैध संपत्ति और प्रशासन और जाँच एजेंसियाँ नींद में क्यों?

कार्यालय संवाददाता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। ऑटो चालक और ढाबे पर रोटियाँ पकाते-पकाते हरभजन सिंह उर्फ़ बबला ऊब चुका था। धीरे-धीरे गुंडागर्दी,खाईवाली के धंधे में पैर जमाया।थाना-कचहरी में केस बने और इसी गुंडागर्दी और खाईवाली को करते करते कुछ और विशेष केसों में फ़रारी काटी और फिर कुछ ही सालों में कोड़ियों से उठकर करोड़ों का मालिक बनकर बैठ गया। 14-15 सालों में अवैध धंधों से करोड़ों की संपत्ति बना ली। एक फ्लैट का संचालन सिर्फ़ इसीलिए करता है बबला कि उसमें बड़े-बड़े अफ़सर, सामान्य कर्मचारी, बिल्डर्स विशेष परिचितों को बुलाया जाता है। माँस,शराब और शबाब परोसने का बादशाह बना बबला प्रशासनिक और शासनिक दबदबा बनाने के सारे हथकंडे अपनाता है। जुआ,सट्टा,खाईवाली के साथ-साथ कई अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग्स,कैफ़े,बियर बार, हुक्काबार, होटल, फॉर्म हाउस हरभजन सिंह उर्फ़ बबला की संपत्ति का हिस्सा है। कुल मिलाकर कहाँ-कहाँ कौन कौनसी प्रॉपर्टी किस-किस तरीक़े से अर्जित हुई यह एक लंबा किस्सा है जो इस बार भी कुछ संपत्ति के साथ हम बताएंगे बाक़ी आगे विस्तार से और सम्पत्तियाँ होंगी अगले अंक में।

सीमा अग्रवाल के नाम से राजकीय प्राथमिक विद्यालय आदर्शनगर व बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों-अरबों की ज़मीन पर कब्ज़ा करके लाखों का अवैध किराया वसूल रहा है बबला और इसमें उसके साथ हैं कई माफ़ियाओं की गैंग। फ़र्ज़ी रजिस्ट्री और फ़र्ज़ी किरायेनामों में एक फ़र्ज़ी वकील भी साथ जुड़ा हुआ है। जेडीए,नगर निगम में अच्छी खासी रक़म खिलाकर,फ्लैट पर बुलाकर ग्लैड करना और काम निकलवाना बबला उर्फ़ हरभजन का बाएँ हाथ का खेल है। आइये जानते हैं उसकी और संपत्ति के बारे में...

आख़िर भ्रष्टाचार की सिद्धियाँ प्राप्त बबला उर्फ़ हरभजन सिंह कौड़ियों से करोड़ों तक का मालिक बना कैसे?

कमर्शियल दुकानें ,राजापार्क गोविंद मार्ग, गुरुद्वारे के पास। जिसे किराये पर देता है बबला

गुरूनानकपुर,राजापार्क स्थित विला जहाँ बबला का निवास स्थान है।

द बुर्ज क्लब का मालिक है बबला। यह क्लब कम बार बी-2 बायपास रोड़, जयपुर पर स्थित है। जिसमें 3000 से 5000 रुपए में प्रतिव्यक्ति से टेबल बुक होती है जिस पर गत माह में अवैध हुक्का सप्लाई के कारण कार्यवाही भी हुई।

कौन है बबला?

राजापार्क के आसपास के सभी माफ़ियाओं का सरदार है हरभजन सिंह उर्फ़ बबला जो भीतर से बेहद डरा हुआ और कमज़ोर आदमी है लेकिन अवैध कमाई से कमाये हुए करोड़ों रुपयों से उसने शासन और प्रशासन के बिकाऊ और भ्रष्ट लोगों को खरीद लिया है और इसी तरह आसपास कई चमचे पाल लिए हैं जो कहने को करोड़पति या अरबपति होंगे लेकिन बबला की शरण और चरण ही उनकी दुनिया है बाक़ी उन माफ़ियाओं का हरभजन सिंह उर्फ़ बबला के सामने कोई वजूद नहीं। पिछले अंक 7 सितंबर में भी बबला की अवैध संपत्तियाँ प्रकाशित की गयीं थीं।

सम्पादकीय

संसदीय इतिहास के हर्ष व भावुक क्षण में भारत

आज भारत नया इतिहास लिख रहा है। करीब एक सदी की एतिहासिक संसदीय यात्रा के गवाह पुराने संसद भवन में सोमवार को आखिरी संसद सत्र हुआ और अब मंगलवार से लोकसभा व राज्यसभा के कार्य नए संसद भवन में होंगे। यह पल भावुक होने के साथ-साथ हर्ष का भी है। केंद्र की राजग सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक विशेष संसद सत्र आहुत किया है। इस सत्र के पहले दिन का कार्य ब्रिटिश काल में बने पुराने संसद भवन में हुआ, बाकी चार दिन के कार्य नए भारत में बने नए संसद भवन में होंगे, इसी के साथ भारतीय संसद ब्रिटिशकालीन भवन के साये से मुक्त हो जाएगी। पुराने संसद भवन के आखिरी सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्रियों - जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह समेत अनेक नेताओं के देश के निर्माण में योगदान की प्रशंसा की। पिछले 75 वर्ष में भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि सामान्य जन का संसद पर विश्वास बढ़ता गया। पुराने संसद में आहुत सत्र के अंतिम दिन भी विपक्ष हंगामा ही करता रहा और सरकार पर आरोप लगाता रहा। गणेश चतुर्थी के दिन मंगलवार से नए संसद में कामकाज शुरू होगा। यह नए संकल्प, नई ऊर्जा और नए विश्वास का दिन है। 2047 तक देश को विकसित बनाना के लक्ष्य की पूर्ति के लिए जितने भी निर्णय होने वाले हैं, वो सभी इस नए संसद भवन में होंगे। लोकसभा में 'संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा - उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख' विषय पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पुराने संसद भवन में कार्यवाही का अंतिम दिन होने का भी उल्लेख किया और कहा, 'हम सब इस ऐतिहासिक भवन से विदा ले रहे हैं। इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा में अनेक लोकतांत्रिक परंपराओं और प्रक्रियाओं का उत्तम से उत्तम सृजन किया गया है और इस सदन में रहे सभी सदस्यों ने सक्रियता से इसमें योगदान दिया है।' पुराना संसद भवन आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। ये भारत के लोकतंत्र की स्वर्णिम यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। पुराने भवन के खट्टे मीठे अनुभव रहे हैं, नोकझोंक की भी स्मृतियां हैं, कभी संघर्ष का तो कभी उत्सव और उमंग का माहौल रहा है। ये हम सबकी साझी विरासत और स्मृतियां हैं। इसका गौरव भी हम सबका साझा है। आजाद भारत के नव निर्माण से जुड़ी हुई अनेक घटनाएं इन 75 वर्षों में पुराने संसद भवन में आकार ली हैं। पुराने संसद भवन में ही पंडित नेहरू के 'ए स्ट्रोक ऑफ मिडनाइड' भाषण दिया था। डा. भीमराव आंबेडकर के अथक परिश्रम से बने श्रेष्ठ संविधान को इसी संसद में अंगीकार किया गया था। आंबेडकर ने नेहरू सरकार में 'जल नीति' दी थी, तो शास्त्री ने 'हरित क्रांति' की नींव रखी थी, चौधरी चरण सिंह ने ग्रामीण विकास मंत्रालय का गठन किया तो नरसिंह राव की सरकार ने पुरानी आर्थिक नीतियों को छोड़कर नई आर्थिक नीतियों को अपनाने का साहस किया था। यह सदन इस बात का साक्षी रहेगा कि इसी संसद ने मतदान की आयु 21 से 18 वर्ष करने का निर्णय लिया। इसी सदन के सामर्थ्य से वाजपेयी ने परमाणु परीक्षण करके दुनिया को देश की ताकत भी दिखाई। संसदीय इतिहास के प्रारंभ से अब तक दोनों सदनों में कुल मिलाकर लगभग 7500 सदस्यों ने प्रतिनिधित्व किया है, जिनमें करीब 600 महिला सदस्य रही हैं।

जी-20 शिखर बैठक

अवधेश कुमार

भारत से अवगत कराने का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व के सभी प्रमुख नेताओं व संस्थाओं के प्रमुखों और प्रतिनिधियों तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया के समक्ष प्राचीनतम राष्ट्र के रूप में भारत, हिंदू धर्म और संस्कृति तथा इसकी संपन्न विरासत को जितने प्रभावी और तार्किक तरीके से प्रस्तुत किया, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आयोजन की थीम से लेकर तस्वीरें, मूर्तियां, आयोजन स्थल का नाम, देश का नाम, खान-पान, वेशभूषा, नृत्य-संगीत-कला सभी भारत के प्राचीन व महान सभ्यता संस्कृति जीवनशैली एवं समृद्ध विरासत वाले देश की छवि प्रस्तुत कर रहे थे। आयोजन स्थल का 'भारत मंडपम' नाम और प्रधानमंत्री के सामने की प्लेट पर इंडिया की जगह भारत लिखा गया।

राजधानी दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलताओं और भावी परिणामों पर काफी कुछ टिप्पणियां हो रही हैं। किंतु यह आम सम्मेलनों से अलग भारत, हिंदुत्व या सनातन संस्कृति को वास्तविक रूप में संपूर्णता के साथ प्रस्तुत किए जाने का इतिहास का सबसे बड़ा अवसर बन गया। यह ऐसा पहलू है जिसकी चर्चा नहीं हो रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व के सभी प्रमुख नेताओं व संस्थाओं के प्रमुखों और प्रतिनिधियों तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया के समक्ष प्राचीनतम राष्ट्र के रूप में भारत, हिंदू धर्म और संस्कृति तथा इसकी संपन्न विरासत को जितने प्रभावी और तार्किक तरीके से प्रस्तुत किया, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आयोजन की थीम से लेकर तस्वीरें, मूर्तियां, आयोजन स्थल का नाम, देश का नाम, खान-पान, वेशभूषा, नृत्य-संगीत-कला सभी भारत के प्राचीन व महान सभ्यता संस्कृति जीवन शैली एवं समृद्ध विरासत वाले देश की छवि प्रस्तुत कर रहे थे।

इसका संकेत भारत को अध्यक्षता मिलने के बाद ही मिल गया, जब थीम में वसुधैव कुटुंबकम तथा सात दलों वाला कमल दिखाया गया। साफ हो गया कि भारत जी 20 एजेंडा तक सीमित न रहकर हिंदुत्व या भारत की सनातन संस्कृति के अनुरूप सम्मेलन को चरित्र देने की ओर बढ़ रहा है। आयोजन स्थल का 'भारत मंडपम' नाम और प्रधानमंत्री के सामने की प्लेट पर इंडिया की जगह भारत लिखा गया। पहला सबसे बड़ा संदेश यही था कि यह इंडिया नहीं भारत है। भारत मंडपम भगवान बसवेश्वर की अनुभव मंडपम की अवधारणा से प्रेरित है। इसको शंख का आकार दिया गया। हिंदू धर्म में शंख का महत्व है। मंडपम की दीवारों पर संस्कृत के वाक्य उकेरे गए हैं। इनमें सूर्य शक्ति और पंच महाभूत शामिल हैं। सूर्य संपूर्ण सृष्टि को चलाने के लिए ऊष्मा और प्रकाश के देव हैं जबकि पंच महाभूत में ब्रह्मांड के 5 मूल तत्व, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी आते हैं, जिसे हिंदू धर्म सभी जीवों का मूल आधार मानता है। इससे यह संदेश था कि भारत 15 अगस्त, 1947 को पैदा देश नहीं है और भारत का अर्थ राष्ट्र-राज्य के रूप में वह नहीं जो बताया जाता है। जीव-अजीव सहित संपूर्ण ब्रह्मांड की गहनतम और सूक्ष्मतम चिंतन इस राष्ट्र की आधारभूमि है, जिसका स्रोत हिंदुत्व, हिंदू धर्म या सनातन है।

भारत मंडपम में स्वागत द्वार पर गीता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आगंतुकों का स्वागत कर रही थी। यहां पूछे गए प्रश्नों का उत्तर श्रीमद्भागवत गीता की शिक्षाओं के आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देता है। मंदिरों और उन स्थलों को आधुनिक ब्रांड के रूप में पेश किया गया जो पहले विश्व पर्यटन की सूची में नहीं रहे या लोकप्रिय नहीं थे। उदाहरण के लिए कोणार्क का सूर्य मंदिर। इसका स्वयं भारत में और विश्व में पर्यटक स्थल के रूप में प्रचार नहीं था। इसकी वास्तुकला, निहित प्रकृति के ज्ञान, सूर्य से संबंध, धार्मिक-आध्यात्मिक महत्व आदि को ऐसे प्रस्तुत किया गया है, जिससे आश्चर्य पैदा होने के साथ इसे देखने और समझने की चाहत भी हो। प्रधानमंत्री मोदी जहां से मंडपम के अंदर नेताओं को रिसीव कर रहे थे उसके पीछे लगा कोणार्क चक्र भारत के प्राचीन ज्ञान, उन्नत सभ्यता

और वास्तुशिल्प की उत्कृष्टता का प्रतीक है जिसे विश्व ने भी जाना। मोदी नेताओं को इसका विवरण भी देते दिखे। यह मंदिर सूर्य के विशालकाय रथ की तरह है, जिसे सात घोड़े खींचते हैं। रथ में 12 जोड़े पहिए हैं। यानी कुल 24 पहिए। ये पहिए, जिन्हें कोणार्क कालचक्र कहते हैं, हमारी जीवनचर्या से संबंधित बातें बताते हैं। यही चक्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज में है और भारत के प्राचीन ज्ञान, उन्नत सभ्यता और वास्तुशिल्प का उत्कृष्ट प्रतीक है। बताया गया कि कोणार्क चक्र की घूमती गति कालचक्र के साथ प्रगति और निरंतर परिवर्तन का प्रतीक है। यह लोकतंत्र के पहिए के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करता है, जो लोकतांत्रिक आदर्श के लचीलेपन और समाज में प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जरा सोचिए, इसके पहले कब इस रूप में विश्व के सामने रखा गया?

भारत मंडपम के सामने नटराज प्रतिमा में भगवान शिव की नृत्य मुद्रा है। नटराज का स्वरूप शिव के आनंद तांडव का प्रतीक है। शिव एक पांव से राक्षस को दबाए हुए हैं जिसका अर्थ बुराई के नाश से लिया जाता है। शिव अपने नृत्य से सकारात्मक ऊर्जा के संचार का संदेश देते हैं। चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने के स्थल को शिव शक्ति नाम देने के बाद शिव के स्वरूप से विश्व को परिचित कराने का यह अगला कदम था। मेहमान भारत मंडपम में प्रवेश करते तो दीवारों पर अंकित विभिन्न योग मुद्राएं देखने को मिलतीं। दीवारों पर 32 योगासन हैं जो घेरंड संहिता से लिए गए हैं। महर्षि घेरंड ने राजा चण्डकपालि को स्वास्थ्य के लिए 32 आसनों का ज्ञान दिया। संयुक्त राष्ट्र में योग को मान्यता मिलने के बाद विश्व को उसकी सूक्ष्मता से परिचय करना जरूरी था।

इसके बाद वॉल ऑफ डेमोक्रेसी में पांच हजार वर्ष के भारत का लोकतांत्रिक इतिहास है। कुछ विशेष अध्ययन करने वाले को छोड़ दें तो विश्व में यह जानकारी नहीं कि भारत इतने हजार वर्ष पूर्व भी एक संगठित सुव्यवस्थित शासन तंत्र, समाज व्यवस्था, संस्कृति व अध्यात्म वाला व्यवस्थित राष्ट्र था। यहां लगे 26 स्क्रीन पैनल में अलग-अलग समय की कहानियां थीं। इनमें भारतीय संविधान, आधुनिक भारत में चुनाव से लेकर भारत-मदर ऑफ डेमोक्रेसी, सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक काल, रामायण, महाभारत, महाजनपद और गणतंत्र, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, कौटिल्य और अर्थशास्त्र, मेगस्थनीज, सम्राट अशोक, फाह्यान, पाल साम्राज्य के खलीमपुर ताम्रपत्र, श्रेणीसंघ, तमिलनाडु का प्राचीन शहर उथीरामेरुर, लोकतंत्र का दार्शनिक आधार, कृष्णदेव राय, अकबर, छत्रपति शिवाजी, स्थानीय स्वशासन आदि हैं। इससे यह झूठ ध्वस्त हो जाता है कि अंग्रेजी शासन के कारण भारत एक राष्ट्र राज्य के रूप में संगठित हुआ तथा इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था मिली। मोटे अनाज से जुड़ी पहल को महर्षि (मिलेट्स एंड अदर एनशिएंट ग्रेन्स इंटरनेशनल रिसर्च इनिशिएटिव) का नाम दिया गया। महर्षि शब्द से विदेशी अनभिज्ञ थे। उन्हें बताया गया कि हिंदू धर्म में सांसारिक मोह माया से विरत होकर साधना और तपस्या करने वाले महर्षि कहलाए। नृत्य संगीत कार्यक्रम में भी थीम सॉन्ग वसुधैव कुटुंबकम पर पूरी प्रस्तुति सनातन संस्कृति को दर्शाने वाली थी। शास्त्रीय संगीत वाले सामान्य वाद्य यंत्रों के साथ प्राचीन वैदिक संगीत वाद्ययंत्रों, जनजातीय वाद्य यंत्रों और लोक वाद्य यंत्रों का शानदार सुमेल बनाया गया। कलाकारों की वेशभूषा पारंपरिक थी। आयोजन स्थल पर सुरबहार, जलतरंग, नलतरंग, विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, धंगली, सुंदरी, भपंग और दिलरुबा जैसे कई वाद्ययंत्र प्रदर्शित किए गए। ये ऐसे वाद्य यंत्र हैं जो भारतीय संस्कृति में ही मिलते हैं और उनके वाद्य में संपूर्ण ब्रह्मांड की गति और लय के साथ तादात्म्य भाव बताया जाता है। विश्व के नेताओं को आहसास हुआ कि भारत में भोजन के पीछे भी कितनी गहरी सोच है और उसमें विविधताएं कितनी ज्यादा हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

संसद भवन

विवेक शुक्ला

गुज़री एक सदी का गवाह

आज से लगभग 97 साल पहले संसद भवन (तब काउंसिल हाउस) का 18 जनवरी 1927 को भारत में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड इरविन ने उदघाटन किया था, जो शानदार इमारत देश की आजादी से पहले और बाद में ना जाने कितने खास लम्हों की गवाह रही है, वो आज मंगलवार से इतिहास के पन्नों में दाखिल हो जाएगी। इधर ना जाने कितनी सारगर्भित चर्चायें हुईं और सधे हुए भाषण दिये गये। बीते सालों-दशकों के दौरान पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर राम मनोहर लोहिया के रूप में ढेरों प्रखर वक्ताओं के भाषण संसद भवन में हुये। ये सब करिश्माई नेता थे और ओजस्वी वक्ता थे। विरोधियों से भी सम्मान पाते थे। ये सभी जनता से संवाद कर लेते थे।

इसी संसद में कई नेताओं को सुनने के लिये दर्शक दीर्घा से लेकर पत्रकार दीर्घा भरी हुई होती थी। बेहतर और बांधने वाला भाषण वही होता है,जब वक्ता अपने विचारों को लेकर साफ-स्पष्ट होता है। भाषण के अंदर कोई बात छिपी हुई नहीं होती। याद रखें कि शहीद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल,1929 इधर ही बम फेंका था। इसी में पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरपरस्ती में बनी अंतरिम सरकार में उनके वित्त मंत्री लियाकत अली खान ने 2 फरवरी,1946 को अंतरिम बजट पेश किया। वे आगे चलकर पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री भी बने। पंडित नेहरू ने 14-15 अगस्त, 1947 की रात को इसी संसद भवन में आयोजित हुए एक गरिमामय कार्यक्रम में स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इस अवसर पर उन्होंने अपना यादगार भाषण दिया था, जिसे ट्रिस्ट विद डेस्टिनी के नाम से याद किया जाता है। यह भाषा बीसवीं शताब्दी के महानतम भाषणों में से एक है।

देश को नई संसद आज मिल जायेगी। नई संसद भवन को खड़ा करने में दर्जनों आर्किटेक्ट,इंजीनियरों और हजारों मजदूरों ने दिन-रात एक किये। सरकार ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को ठेका दिया था कि वह नई संसद को खड़ा करे। अगर बात पहली संसद की करें तो उसके ठेकेदार सिंध के लछमन दास थे। तब लगभग सभी मजदूर राजस्थान के जयपुर,जोधपुर,भीलवाड़ा वगैरह से आये थे। ये सपत्नीक आए थे। इन्हें शुरूआती दिनों में पहाड़ी धीरज में रहने की जगह मिली थी। खुशवंत सिंह बताते थे कि इन राजस्थानी मजदूरों को बागड़ी कहा जाता था। इन्हें शुरूआती दिनों में पहाड़ी धीरज में रहने की जगह मिली थी। ये सब अपने गांव-देहातों से पैदल ही दिल्ली आए थे। इन सीधे-सरल मजदूरों को रोज एक रुपए और महिला श्रमिकों को अठन्नी मजदूरी के लिए मिलते थे। संगतराश आगरा और मिर्जापुर से थे। कुछ भरतपुर से भी थे। ये सब पत्थरों पर नक्काशी और जालियों को बनाने के काम करने में उस्ताद थे। बहरहाल, जिन्होंने पहली संसद भवन की इमारत को अपने हाथों से खड़ा किया था उनके बच्चे अब सामाजिक-आर्थिक रूप से बहुत बेहतर स्थिति में हैं। वे मंत्री तक बने। दिल्ली में मदन लाल खुराना की सरकार में सुरेन्द्र रातावाल मंत्री थे। उनके दादा और कई दूसरे संबंधियों ने संसद भवन को बनाया था।

अब पुराने हो गए संसद भवन के लिये 8 नवंबर,1962 अहम दिन था। उस दिन संसद में उस प्रस्ताव को रखा गया था जिसमें चीन से देश के उस हिस्से (अक्साईचिन) को वापस लेने के संबंध में जिस पर चीन ने 1962 की जंग के बाद कब्जा लिया था। प्रस्ताव में कहा गया था- "ये सदन पूरे विश्वास के साथ भारतीय जनता के संकल्प को दोहराना चाहता है कि भारत की पवित्र भूमि पर से आक्रमणकारी को खदेड़ दिया जाएगा। इस बाबत भले ही कितना लंबा और कठोर संघर्ष करना पड़े।" सदन ने इस प्रस्ताव को 14 नवंबर को पारित कर दिया। बहस में 165 सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने चीन को अक्सईचिन से खदेड़ने की वकालत की। बहस बेहद भावुक हुई।

जब देश की पहली संसद भवन का इतिहास लिखा जायेगा तब उसमें 22 फरवरी,1994 का अवश्य उल्लेख होगा। उस दिन संसद ने एक प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित करके पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर अपना हक जताते हुए कहा था कि वह भारत का अटूट अंग है। पाकिस्तान को उस भाग को छोड़ना होगा, जिस पर उसने कब्जा जमाया हुआ है। नई संसद भवन के उदघाटन के बाद भी पहली संसद भवन का महत्व का कम नहीं होगा। अब वहां पर संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव है। सच में स्वतंत्र भारत के अहम क्षणों से करीब से जुड़ी है यह इमारत। इसका महत्व तो बना ही रहेगा। हां, ये भी सच है कि पहले संसद भवन में बहसों के दौरान खूब हल्ला होने लगा था। अनेक बार स्थिति अराजक हुई। उम्मीद करनी चाहिए कि नई संसद में वाद, विवाद और संवाद के लिये सबको खूब मौका मिलेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

ग़लत सोच का चश्मा ज़ल्दी उतार देना चाहिए

संकलित

दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

दान की बड़ी महिमा

संकलित

प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करे।

अंतर्मन

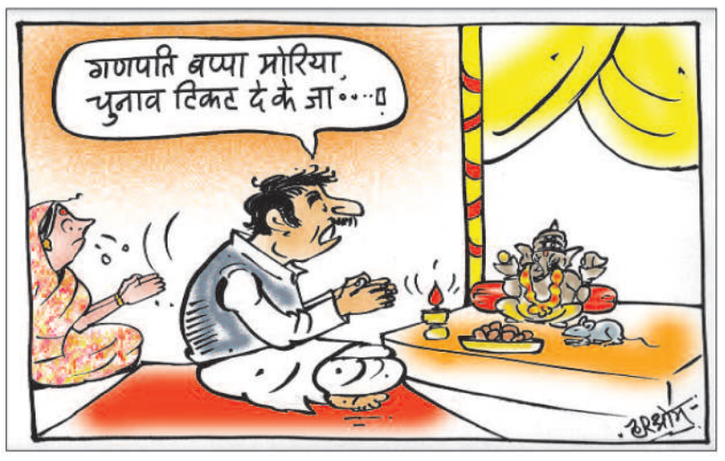

आज की पाती

ओजोन परत का संरक्षण जरूरी

कुदरत का अनमोल तोहफा स्वर्ग जैसी धरती और धरती के संरक्षण के लिए कुदरत ने बहुत कुछ हमें दिया है, इसी तोहफे में से एक है ओजोन परत। ओजोन परत का संरक्षण उसी तरह जरूरी है जिस तरह हम बीमारियों से बचने के लिए अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, क्योंकि ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है। अगर ओजोन परत न होती तो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों से धरती पर जितने भी प्राणी हैं, उनका जीवन असंभव हो जाता। इस परत कि खोज फ्रांस के भौतिकविदों फैबरी चार्ल्स और हेनरी बुसोन ने की थी। ओजोन के संरक्षण के लिए ही 19 दिसंबर 1964 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस मनाने की घोषणा की थी। -वीरेंद्र कश्यप, बिलासपुर

करंट अफेयर

न्यूजीलैंड में स्कूली शिक्षा प्रणाली बदलने पर विचार

न्यूजीलैंड के चुनाव में यदि नेशनल पार्टी विजयी रही तो उसने देश की पूरी शिक्षा प्रणाली और पठन पाठन की शैली को बदलने की कसम खाई है। इस शिक्षा परिवर्तन में सभी वर्ष 0-6 कक्षाओं में 'संरचित साक्षरता' के शिक्षण की आवश्यकता की प्रतिज्ञा शामिल है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई लोगों के लिए यह घोषणा स्वागतयोग्य है। यह पठन-पाठन के एक स्पष्ट और व्यवस्थित रूप की ओर बढ़ने का संकेत देता है जिसकी शिक्षक, शोधकर्ता और माता-पिता लंबे समय से मांग कर रहे थे। न्यूज़ीलैंड को निश्चित रूप से अपनी साक्षरता दर बढ़ाने की आवश्यकता है। 15-वर्षीय बच्चों में से केवल 60 प्रतिशत ही पढ़ने के सबसे बुनियादी स्तर से ऊपर पहुंच पा रहे हैं, जिसका अर्थ है कि 40 प्रतिशत पढ़ने और लिखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोध से पता चलता है कि साक्षरता में क्या काम होता है, इस पर ध्यान केंद्रित करना सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ स्कूलों ने पहले से ही विभिन्न प्रकार के संरचित साक्षरता कार्यक्रम लागू किए हैं, अकसर अपने दम पर। शिक्षा मंत्रालय ने अधिक स्पष्ट पठन निर्देश के लिए संसाधन उपलब्ध कराना भी शुरू कर दिया है, और अपनी शिक्षा रणनीति में संरचित साक्षरता के तत्वों को शामिल किया है।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी जरूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

ट्रेंड

याद आ गई

जैसे ही मैंने नए संसद भवन में हिस्स लिया मुझे पुराने भवन ऐतिहासिक भवन के सभी यादगार क्षणों और अवसरों की याद आती है। पीएम नरेंद मोदी ने कहा, पुराना संसद भवन हमें नये भवन में अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित करता रहेगा।

-किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

मिट्टी बचानी होगी

मिट्टी बचाना एक साझा वैश्विक जिम्मेदारी है जिसे हम अब और टाल नहीं सकते। भूमि को छाया में रखने को वैश्विक नीति निर्माण में सहितबद्ध किया जाना चाहिए। ऐसा करने की लागत निष्क्रियता की तुलना में नगण्य है। आइए इसे होने दें।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

आक्रोश कहां है

साइकिल चलाते समय एक निर्दोष व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारों ने सोशल मीडिया पर इसका मजाक भी उड़ाया। इसके बावजूद फिर भी मीडिया का आक्रोश कहां है? अब तुम्हें झूठ समझ में आने लगा।

-एलन मास्क, उद्योगपति

मजबूत टीम

मैंने शुरुआत में ही कहा था, यह बहुत मजबूत टीम है। वे पूरे समय शानदार दिखे, शाबाश टीम इंडिया। रोहित शर्मा की कमान में दूसरा एशिया कप खिताब जीता। शाबाश रोहित, द्रविड़, सहयोगी स्टाफ, चयनकर्ता और टीम के सभी सदस्यों को बधाई।

-सौरव गांगुली, क्रिकेटर

एक नज़र

CHO भर्ती परिणाम की देरी को लेकर आंदोलन हुआ तेज़

कुलदीप गुप्ता

जयपुर हिलव्यू समाचार। राजस्थान युवा शक्ति एकीकृत महासंघ की ओर से सोमवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान बेरोजगारों ने CHO भर्ती परिणाम,वनरक्षक का रिजल्ट,लेवल 2 के बचे हुए विषयों का परिणाम जारी करने की जोरदार मांग की। उन्होंने बोर्ड के ख़िलाफ़ जोरदार नारेबाजी की। महासंघ के अध्यक्ष मनोज मीणा ने कहा कि सरकार बेरोजगारों की मांगों के प्रति बहुत उदासीन होती जा रही है अगर सरकार ने समय रहते मांगों पर ध्यान नहीं दिया और रिजल्ट समय रहते प्रकाशित नहीं किये तो आंदोलन को और तेज कर दिया जाएगा।

72 घंटे में सूचना देने पर मिलेगा ख़राबे का मुआवज़ा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बारिश के कारण खराब हो रही फसल का बीमा किसान को मिलेगा। इसके लिए प्रभावित बीमित फसल के किसान को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना सम्बन्धित जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी को देनी होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि राज्य में कुछ स्थानों पर असामयिक वर्षा के कारण खरीफ की फसलों में नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है।

हार्डकोर अपराधियों पर धावा, 126 को किया गिरफ्तार

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। शहर का अपराध मुक्त बनाने और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए शहर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। रविवार को जयपुर शहर के पश्चिम इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 126 हार्डकोर अपराधियों का गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर में ऐसे अपराधी जो अवैध मादक पदार्थ गांजा, स्मैक, अफीम, भांग आदि मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। हथियारों के साथ वारदात करते हैं। गली मौहल्लों में भय पैदा करते हैं, उन पर सख्त कानूनी कार्यवाही करने के लिए पश्चिम जिले में अपराधियों को पकड़ा है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम संजीव नैन के निर्देशन में जिले में हार्डकोर अपराधियों की तलाशी में कई जगह दबिश दी गई।

ग्रेटर नगर निगम: सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अनूठा प्रयोग, प्रथम आने वाले वार्ड को मिलेंगे 31 लाख

काम सही तो इनाम, नहीं तो कर्मचारी होंगे बर्खास्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ग्रेटर निगम क्षेत्र में बिगड़ती सफाई व्यवस्था के सुधारने के लिए महापौर सौम्या गुर्जर और नवनियुक्त आयुक्त बाबूलाल गोयल नया प्रयोग करने जा रहे हैं।

ग्रेटर निगम की ओर से सोमवार से आगामी दो अक्टूबर तक होने वाले स्वच्छता पखवाड़े में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को बर्खास्त करने तक की चेतावनी दी है। रविवार को निगम मुख्यालय में हुई बैठक में महापौर ने तीखे शब्दों में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे फील्ड में रहकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें, साथ वे और आयुक्त भी किसी भी वार्ड में निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था देखेंगी। व्यवस्था सही नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस देने और बर्खास्तगी तक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अच्छे कार्य करने वाले वार्ड को सम्मानित भी करने का आदेश दिए हैं। इसमें वार्ड को 31 लाख रुपए तक का पुरस्कार दिया जाएगा।

लापरवाही पर मिलेगा नोटिस जा सकती है नौकरी

महापौर ने मुख्य सफाई निरीक्षकों और सफाई निरीक्षक के अलावा सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिये हर वार्ड में सुपरवाइजर लगवाए जाएंगे। साथ ही संबंधित वार्ड पार्षदों के साथ मिलकर रूट मैप के अनुसार सूखा कचरा, गीला कचरा, गार्डन वेस्ट, सीएनडी वेस्ट सहित हर चीज की मॉनिटरिंग होगी। उन्होंने सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को 17 सीसीए का नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा लापरवाह कर्मचारी के खिलाफ बर्खास्त की भी कार्यवाही करने की बात कही। महापौर ने सख्त लहजे में कहा कि गंदगी एवं सफाई नहीं मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

तीन चरणों में चलेगा अभियान

महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, प्रथम चरण में 18 से 29 सितंबर तक समस्त वार्ड क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। मुख्यालय पर 1 अक्टूबर को सम्मान समारोह आयोजित कर सफाई में प्रथम स्थान पर आने वाले वार्ड क्षेत्र में 31 लाख रुपए, द्वितीय स्थान पर आने वाले वार्ड को 21 लाख रुपए, तृतीय स्थान पर आने वाले वार्ड में 11 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य कराए जाएंगे।

तीन चरणों में चलेगा अभियान

महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, प्रथम चरण में 18 से 29 सितंबर तक समस्त वार्ड क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। मुख्यालय पर 1 अक्टूबर को सम्मान समारोह आयोजित कर सफाई में प्रथम स्थान पर आने वाले वार्ड क्षेत्र में 31 लाख रुपए, द्वितीय स्थान पर आने वाले वार्ड को 21 लाख रुपए, तृतीय स्थान पर आने वाले वार्ड में 11 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य कराए जाएंगे।

चुनावी रणनीति: पानी की मांग पर भाजपा को घेरेगी कांग्रेस

BJP की रणनीति को चुनौती देगी कांग्रेस की जन आशीर्वाद यात्रा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में पानी की मांग को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को घेरने का प्लान तैयार कर लिया हैं। कांग्रेस ईआरसीपी के मुद्दे को लेकर 25 से 29 सितंबर तक पांच दिवसीय जन आशीर्वाद यात्रा निकालेगी। इस यात्रा में सीएम अशोक गहलोत भी भाग लेंगे। जन आशीर्वाद यात्रा प्रदेश के 13 जिलों से होकर गुजरेगी।

जिसमें करीब आधी विधानसभा क्षेत्र कवर करने को लेकर प्लान तैयार किया गया हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो यह यात्रा प्रदेश के उन 13 जिलों की उन विधानसभा सीट के लिए चुनावी मुद्दा बनेगा। जहां पर ईस्टर्न कैनाल परियोजना की मांग को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार से मांग कर रही हैं।

वहीं प्रदेश में बिना सीएम का नाम घोषित किए विधानसभा चुनावों में भाजपा के पीएम नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के चेहरे पर चुनाव लड़ने की रणनीति को कांग्रेस की यह जन आशीर्वाद यात्रा चुनौती देंगी। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और मोदी व शाह के नाम पर भाजपा चुनावी मैदान में उतर रही हैं। इस रणनीति और भाजपा की परिवर्तन यात्रा का पलटवार कांग्रेस की यह यात्रा मानी जा रही हैं।

ईआरसीपी के मुद्दे पर कांग्रेस निकालेगी 5 दिन की यात्रा

यात्रा का सीएम गहलोत करेंगे नेतृत्व

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसको लेकर सीएम के निर्देशन में तैयारियां की जा रही हैं। पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस विधानसभा चुनाव में वोट मांगेगी। पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस की स्थिति भाजपा से काफी मजबूत रही हैं। इसलिए इस मजबूती को बनाए रखने के लिए 5 दिन तक कांग्रेस लगातार जनजागरण और पदयात्राएं करेगी। इनमें अलवर, करौली, जयपुर, अजमेर, बारां, भरतपुर, दौसा, झालावाड़, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी और धौलपुर जिले शामिल हैं। अबकी बार फिर पूर्वी राजस्थान में ईआरसीपी को मुद्दा बनाकर चुनावी मैदान में उतरने की कांग्रेस ने रणनीति बनाई है।

सभा भी होगी, BJP को करेंगे एक्सपोज

पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि 13 जिलों में रैली निकाली जाएगी। सभी जिलों के नेता और पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में रैली निकालते हुए मुख्य रैली में शामिल होंगे। सभी जिलों में सभा का आयोजन किया जाएगा। ईआरसीपी को लेकर जागरूकता फैलाकर भाजपा को एक्सपोज करेंगे। भाजपा ने ईआरसीपी को जानबूझकर अटकाने का काम किया हैं। रैली में ईआरसीपी के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी होगा। डोटासरा ने कहा कि मोदी जी 9 साल में दो बार ईआरसीपी देने का वादा कर चुके हैं। लेकिन अभी तक उस पर कुछ नहीं किया।

यात्रा के हाईटेक रथ तैयार

पांच दिन निकलने वाली जन आशीर्वाद यात्रा के लिए हाईटेक रथ तैयार किया जा रहा है। जिसमें सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी के डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। यात्रा के दौरान अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं का भी आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता सरकार के कामकाज का बखान करेंगे और ईआरसीपी के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को घेरते हुए नजर आएंगे।

परिवर्तन यात्रा में भाजपा का सरकार पर प्रहार

खुद के बिजली प्लांट बंद कर प्राईवेट बिजली खरीद रही सरकार: राठौड़

हिलव्यू समाचार

जयपुर/झुंझुनू। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, बच्चियों के साथ अनाचार, अत्याचार, उत्पीड़न व दुष्कर्म की घटनाए चरम पर है। प्रदेश के किसी भी कोने में महिला सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में बिजली कटौती का संकट बना हुआ है।

अघोषित बिजली कटौती के कारण जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें किसान वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। आज बिजली के तीनों डिस्कॉम घाटे में चल रहें है। सरकार खुद के थर्मल पावर प्लांट बंद कर प्राइवेट कंपनियों से मंहगी बिजली खरीद रही है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार इस कदर है कि आम जनता का काम बिना पटवारियों को कमीशन दिए बैगर नहीं होता है। झुंझुनू के नवलगढ़ में राठौड़ ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस सरकार 2018 के चुनाव में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने का वादा करती है, लेकिन जब सत्ता में आती है तो कर्जमाफी का वादा भूल जाती है। युवाओं को बेराजगारी भत्ते का वादा किया था।

उसके लिए बनाई गई कल्ला कमेटी की रिपोर्ट आज तक नही आई। वादा कर्जमाफी का किया और बदले में किसानों की जमीनें नीलाम हो गई और खाते एनपीए हो गए। कांग्रेस सरकार में कुर्सी की लड़ाई पूरे पांच साल चली है। इनके यहां दो टीमें बनी हुई हैं टीम-ए और टीम-बी जिनके बीच हमेशा लड़ाई चलती रही है।

कांग्रेस के काले कारनामे आ रहे सामने

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने बस्सी में मीडिया से कहा कि कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की परतें अब खुलने लगी हैं। ईडी की कार्रवाई जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी इस सरकार के काले कारनामे उजागर होते जाएंगे। प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ इस सरकार ने जो खिलवाड़ की है वह क्षमा करने योग्य नहीं है। कांग्रेस सरकार ने कर्जमाफी के झूठे वादे के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया है। हजारों किसानों की जमीनें नीलाम हो गई।

AU ने राजस्थान में 2 कक्षाओं से लेकर 16 एकेडमीयों की तय की यात्रा

एयू इग्नाइट ने मनाई अपनी स्थापना और उपलब्धियों की 5वीं वर्षगांठ

80 फीसदी रिकॉर्ड प्लेस मेंट सहयोग के साथ 13600 से अधिक उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण रही बड़ी उपलब्धि

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने 19 सितंबर को एयू इग्नाइट (AUIgnite) की पांचवीं वर्षगांठ मनाई, जो एयू एसएफबी की सीएसआर पहल एयू फाउंडेशन के तहत उनकी अपनी स्किल्स ट्रेनिंग (कौशल प्रशिक्षण) एकेडमी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णकांत पाठक थे। डॉ कृष्णकांत पाठक राजस्थान कैडर के IAS अफसर हैंडॉ पाठक राजस्थान सरकार के वित्त राजस्व विभाग के सचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं ।

एयू स्किल्स एकेडमी की स्थापना 2018 में जयपुर में

आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने के इरादे से की गई थी। इसका उद्देश्य देश के वंचित युवाओं को उपयोगी कौशल के साथ सशक्त बनाना है, जो आगे उनके आर्थिक विकास में काम आ सके। साथ ही दूसरे वर्ग की तुलना में किसी भी तरह के कौशल में जो भी अंतर है, उसकी भरपाई भी हो सके। एक पायलट प्रोग्राम के रूप में शुरू की गई एयू स्किल्स एकेडमी ने बैंकिंग, बी.एफ.एस.आई(बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस)पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अपनी यात्रा शुरू की और शीघ्र ही अधिक विषयों जैसे सेल्स और मार्केटिंग, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी (आतिथ्य), ऑफिस असिस्टेंस (कार्यालय सहायता), स्वास्थ्य और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं (ITES) की शुरुआत करके इसका विस्तार किया। 2021 तक एयू स्किल्स एकेडमी उत्कृष्टता कार्यक्रम का केंद्र बन गई और इसे एयू इग्नाइट अनलॉकिंग यू के रूप में शुरू किया गया। एयू इग्नाइट के तहत छात्रों को संचार, वित्त, व्यक्तित्व विकास (पर्सनालिटी डेवलपमेंट) और कोर रोजगार कौशल जैसे खास लाइफ स्किल में प्रशिक्षित किया जाता है| यह उन्हें एक ऑर्गेनाइज्ड वर्क एनवायरमेंट (संगठित कार्य वातावरण) को स्वीकार कर उसी अनुसार काम करने में मदद करता है। एयू इग्नाइट को हब एंड स्पोक मॉडल के जरिए लागू किया गया, जहां हब में अपस्किलिंग और रीस्किलिंग पाठ्यक्रम शामिल हैं और स्पोक एकेडमी शुरुआती स्तर के कौशल को पूरा करती हैं। हब सेंटर फुल स्टैक डेवलपमेंट, डाटा साइंस और सेल्स फोर्स (आईटी/सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं (आईटीईएस)) पाठ्यक्रम को पूरा करता है, जबकि स्पोक सेंटर बी.एफ.एस.आई. (बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस), हेल्थ केयर, टूरिज्म एंड और हॉस्पिटैलिटी और आईटी/आईटीईएस में पाठ्यक्रमों को पूरा करता है। एयू इग्नाइट ने राजस्थान के 12 जिलों में 16 एकेडमी स्थापित की हैं, जिनमें से 15 स्पोक एकेडमी हैं और 1 भविष्य के कौशल पाठ्यक्रमों (स्किलिंग कोर्स) के लिए हब सेंटर हैपाँच साल में एयू इगनाइट ने जयपुर में पाँच अकादमी के अलावा अलवर, भरतपुर, चिड़ावा,जैतारण, नागौर, गोवर्धन, सीकर, कोटा, बीकानेर, भीलवाडा और जोधपुर में भी स्किल एकेडमीयों की शुरुआत की है।

एक नज़र

आरपीएससी की परीक्षा में पेपरलीक का मामला

आयोग के पूर्व सदस्य कटारा और मीना को भेजा जेल

ईडी ने किया था गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आरपीएससी की ओर से आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में आरोपी रहे आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और इस मामले में उनके सहयोगी और आरोपी रहे अनिल कुमार मीना ऊर्फ शेरसिंह मीना को अदालत ने 30 सितंबर तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने पेपर लीक मामले में इन दोनों ही आरोपियों को गत शुक्रवार को गिरफ्तार कर अदालत से तीन दिन की रिमांड प्राप्त की थी। सोमवार को रिमांड अवधि पूरी होने पर ईडी अधिकारियों ने इन्हें सोमवार धन शोधन निवारण अधिनियम-पीएमएलए कानून की जयपुर स्थित विशेष अदालत पेश किया, जहां न्यायाधीश सुनील रेनवा ने आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश पारित किए। ईडी के अधिवक्ता सुनील अग्रवाल ने आरोपियों को जेल भेजने की पुष्टि की है।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि ईडी अधिकारियों ने दोनों आरोपियों को पहले अलग-अलग और फिर आमने-सामने बैठा कर पूछताछ की। सूत्र बताते हैं कि दोनों आरोपियों से पेपर लीक मामले के कथित मुख्य सूत्रधार को लेकर भी अनेक सवाल किए। माना जा रहा है कि ईडी पेपर लीक मामले में अपनी जांच के दायरे को और बढ़ा सकता है।

99 महाविद्यालयों के लिए 30 करोड़, 4 निजी कॉलेज बनेंगे सरकारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में शिक्षा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत उन्होंने प्रदेशवासियों को सौगात दते हुए 99 महाविद्यालयों के लिए 30 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। इनमें सह शिक्षा के 72 महाविद्यालय एवं 27 कन्या महाविद्यालय शामिल हैं।

इस राशि में से 28 करोड़ रुपए इन महाविद्यालयों में अतिरिक्त 114 कक्षा कक्षों के निर्माण पर व्यय किए जाएंगे और 2 करोड़ रुपए आवश्यक मरम्मत कार्य एवं फर्नीचर खरीदने के लिए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य के 4 निजी महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालयों में परिवर्तित किए जाने की मंजूरी दी है।

इन महाविद्यालयों में हनुमानगढ़ जिले के मीरा कन्या महाविद्यालय, संगरिया एवं ग्रामीण कन्या महाविद्यालय, भादरा शामिल हैं। वहीं श्रीगंगानगर के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, रायसिंहनगर एवं ज्ञान ज्योति महाविद्यालय, श्रीकरणपुर को भी राजकीय महाविद्यालय में परिवर्तित किया जाएगा। इन चारों महाविद्यालयों के कार्मिकों को राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी के नियमों के तहत राजकीय सेवा में लिए जाने की भी सहमति दी है।

राजस्थान में भाजपा मोदी... तो कांग्रेस राहुल गांधी के दौरे के बाद निकालेगी पहली सूची

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के विधानसभा चुनावों को लेकर टिकट के दावेदारों की ग्राउंड रिपोर्ट दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों तक पहुंच चुकी है। अब प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की कवायद कांग्रेस और भाजपा सहित अन्य दलों ने भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद दोनों दल प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करेंगे। बताते हैं पहले भाजपा सितंबर के अंतिम सप्ताह में करीब दो दर्जन से अधिक प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करेगी।

राहुल 23 को, तो मोदी 25 को आएंगे जयपुर

केंद्रीय चुनाव समिति तय करेगी नाम

पीएम मोदी की जयपुर में 25 सितंबर को होने वाली सभा के बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें प्रदेश के कोर कमेटी व सभी कमेटियों के सदस्य भी शामिल होंगे। इस बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगेगी। वहीं 23 को राहुल गांधी के जयपुर दौरे के बाद कांग्रेस भी मंथन करने के बाद पहली सूची संभवत: अक्टूबर में जारी करेगी। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट फाइनल होंगे। प्रदेश इलेक्शन कमेटी की अगली बैठक में इसको लेकर चर्चा की जाएगी। चुनाव समितियों द्वारा जिलों में जाकर लिए गए फीडबैक पर चर्चा होगी। उसके बाद रिपोर्ट बनाकर केंद्रीय चुनाव समिति को दी जाएगी।

स्क्रीनिंग कमेटी कर चुकी अपना काम

डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट फाइनल होंगे। नामों को लेकर स्क्रीनिंग कमेटी अपना काम कर चुकी है। माना जा रहा है कि कांग्रेस और भाजपा की पहली सूची में दो-दो दर्जन नाम शामिल होंगे। भाजपा की पहली सूची में राजेंद्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जैसे नाम शामिल होंगे तो कांग्रेस की सूची में सीएम अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा, पायलट जैसे के नाम शामिल होंगे।

लाडले सपूत को नम आखों से दी अंतिम विदाई, गूंजे जयकारे

मासूम बेटे ने दी मुखाग्नि, पार्थिव देह को देख विरांगना हुई बेहोश

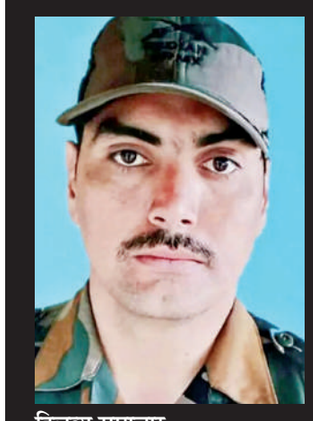

हिलव्यू समाचार

सादुलपुर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए चूरू के जवान योगेश जाट (28) का सोमवार शाम 6 बजे पैतृक गांव लंबोर बड़ी में अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के 4 साल के बेटे हार्दिक ने मुखाग्नि दी।

इससे पहले हार्दिक ने पिता को आखिरी सैल्यूट किया। यह देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। वहीं घर पर शहीद के अंतिम दर्शन के दौरान वीरांगना सुदेश बेसुध हो गईं। इससे पहले देशभक्ति तरानों के बीच सेना के ट्रक में योगेश की पार्थिव देह 10 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा के रूप में सादुलपुर शहीद स्मारक से लंबोर बड़ी गांव पहुंची।

बड़ी संख्या में लोग बाइक पर तिरंगा लगाकर 'शहीद योगेश जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में स्कूल के बच्चों और ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। शहीद की पार्थिव देह को घर पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। वीरांगना शहीद की पार्थिव देह के करीब पहुंची तो बेसुध हो गई। सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनियां सहित अन्य महिलाओं ने उनको संभाला। विधायक कृष्णा पूनियां सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं सेना के जवानों ने शहीद योगेश को सलामी दी। शहीद की पार्थिव देह को सोमवार दोपहर 3:30 बजे जम्मू से सादुलपुर शहीद स्मारक लाया गया था।

शहीद योगेश के एक बेटा और एक बेटी

पृथ्वी सिंह के घर जन्म लेने वाले शहीद योगेश अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। वो सेना के 18 केवलरी बटालियन से 14 राष्ट्रीय राइफल में डेपुटेशन पर तैनात थे। शनिवार रात को जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए उन्होंने शहादत दी। योगेश अपने पीछे एक बेटा (4) और एक बेटी (9 माह) को छोड़ गए हैं। योगेश की पत्नी स्वास्थ्य विभाग में जीएनएम पद पर कार्यरत है।

पिता बोले-चार बेटे होते तो सभी को देश सेवा में भेजता

वहीं शहीद योगेश जाट के पिता पृथ्वी सिंह ने कहा कि अगर मेरे 4 बेटे भी होते तो सभी को देश सेवा में भेजता। ...अब पोते को सेना में भर्ती के लिए तैयार करूंगा...। पिता ने अपने इकलौते बेटे पर गर्व करते हुए कहा कि हमारा परिवार देश के लिए काम कर रहा है। योगेश के शहीद होने की जानकारी मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। 14 आरआर के लांस नायक योगेश कुमार 9 साल पहले खेल कोटे से सेना में भर्ती हुए थे।

योगेश के दादा भी थे सेना में: शहीद योगेश कुमार के चाचा रणधीर सिंह ने बताया कि साल 2013 में योगेश कुमार खेल कोटे से हवलदार के पद पर 18 केवलरी बटालियन (आई) में भर्ती हुए थे। योगेश के दादा भी सेना में थे। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों की तलाश में सेना की ओर से चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान शनिवार की रात योगेश कुमार पहाड़ी के ऊपर तैनात थे। देर रात करीब 12 बजे के आस-पास आतंकवादियों से उसकी सीधी मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान आतंकियों की गोली लगने से योगेश कुमार शहीद हो गए थे।

वीडियो हुआ वायरल

छेड़छाड़ के आरोपी टीचर से मारपीट कर मुहं काला किया

हिलव्यू समाचार

श्रीगंगानगर। जिले में ग्रामीणों ने एक सरकार विद्यालय के टीचर से मारपीट कर उसका मुंह काला कर दिया। टीचर पर छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी है। इसको लेकर स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा के दादा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं टीचर ने आरोपों को नकारते हुए 10-15 ग्रामीणों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर सोशल मीडिया पर टीचर से मारपीट और उस पर काली स्याही डालने का वीडियो वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, गजसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव सात डीडी सरकारी स्कूल में टीचर राजेश समाज शास्त्र पढ़ाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि टीचर स्कूल में छात्राओं से छेड़छाड़ कर परेशान करता है। छात्राओं से जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने टीचर से बात करनी चाही, लेकिन वह छुट्टी पर चला गया।

वह जिले के ही सार्दुलशहर का रहने वाला है। छुट्टी से वापस लौटने पर ग्रामीण बात करने पहुंचे। इस दौरान टीचर ने अपने साथ दो-तीन लोगों को अपना पक्षधर बना लिया। ग्रामीणों ने टीचर को घेर लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने टीचर से मारपीट करते हुए उसका मुंह काला कर दिया।

टीचर से मारपीट कर मोबाइल छीना...

वहीं इस मामले में टीचर राजेश कुमार का कहना है कि उन पर लगाए गए आरोप गलत हैं। उनके पास छात्रा के पिता की फेसबुक आईडी से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इसके बाद इस आईडी से मैसेज आने लगे। मैसेज का जवाब देना भारी पड़ गया। प्रिंसिपल का फोन आया कि ग्रामीण स्कूल में आए हैं और उन्हें स्कूल आना होगा। प्रिंसिपल के बुलाने पर वह स्कूल पहुंचा तो ग्रामीणों ने मारपीट शुरू कर दी और ग्रामीणों ने उसका मोबाइल भी छीन लिया।

परिवर्तन यात्राओं में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4 साल तक जनता के काम नहीं, अब बांट रहे सौगातों की रेवड़ी: गर्ग

हिलव्यू समाचार

नागौर। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा सोमवार को नागौर पहुंची। इस दौरान स्थानीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और टिकट के दावेदारों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यात्रा के सह-संयोजक व विधायक जोगेश्वर गर्ग, विधायक अनिता भदेल और प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जुबानी हमला बोला।

जगवीर छाबा ने बताया कि परिवर्तन यात्रा रामदेवरा से शुरू होकर नागौर पहुंची है। परिवर्तन यात्रा को 14 दिन पूर्ण हो चुके हैं और लगभग 40 विधानसभा में 2 हजार किलोमीटर की यात्रा पूर्ण हो चुकी है। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर मातृ शक्ति ने कलश यात्रा से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस सरकार को पूर्ण रूप से नकार दिया हैं।

अब यह जनता कांग्रेस के झूठे वादों में नही आने वाली है। विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीति है कि चार साल तक किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नही करना और चुनावी साल में सौगातों के नाम पर रेवड़ी बांटना। कांग्रेस ने जनघोषणा पत्र में किसानों का सम्पूर्ण कर्जा माफ करने की घोषणा की थी और राहुल गांधी ने एक सभा में दस तक गिनती गिन कर वादा किया, लेकिन गहलोत सरकार ने किसानों का कर्जा माफ नहीं कर उनके साथ धोखा किया है। विधानसभा में सतीश पूनियां के प्रश्नकाल में किए गए सवाल में पता चला की 19 हजार से अधिक किसानों की जमीन नीलाम हो गई। इस किसान विरोधी सरकार में किसान बिजली के संकट से झूझ रहे हैं।

युवाओं के साथ किया छलावा

विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि बेरोजगारी भत्ते के नाम पर अनेक शर्तें लगाकर बेरोजगारों के साथ छलावा किया गया और संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा भी पूरा नहीं किया। इतिहास में पहली बार 56 दिन तक यह सरकार बाड़ाबंदी में रही। भर्ती परीक्षा के पेपर की रखवाली भी कांग्रेस सरकार ने चहेते पदाधिकारियों से करवाई, इसके बावजूद पेपर लीक के सर्वाधिक मामले सामने आए। भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले मुख्यमंत्री गहलोत की मौजूदगी में अध्यापको के ट्रांसफर के बदले में पैसे लेने की बात भी उजागर हुई हैं। भ्रष्ट अफसरों के रिश्वत मामलों में अभियोजन स्वीकृति नहीं देकर उन्हें बचाने का काम कांग्रेस की सरकार कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री शांति धारीवाल का दुष्कर्म मामलों पर 'राजस्थान मर्दो का प्रदेश' वाला बयान इनका चरित्र स्पष्ट करता है। बीते पौने पांच साल में कांग्रेस सरकार ने तुष्टीकरण के मामलों में सारी हदें पार कर दी है। यह कांग्रेस सरकार किसान, महिला, दलित विरोधी सरकार है, जिसे जनता आगामी चुनाव में सत्ता से हमेशा के लिए बाहर करेगी।

कांग्रेस सरकार में बढ़े दलितों पर अत्याचार

विधायक अनिता भदेल ने कहा कि प्रदेश में दलित वर्ग पर सर्वाधिक अत्याचार कांग्रेस सरकार में बढ़े हैं। प्रियंका गांधी लडकी हूं, लड़ सकती हूं की बात करती हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं कि राजस्थान में आकर दुष्कर्म पीड़ित परिवारों से मिल सके। विधायक भदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सत्ता का मोह नहीं छूट रहा और कुर्सी बचाने की इस लड़ाई में जनता पिस रही है। अशोक गहलोत केवल मात्र घोषणा करने में माहिर हैं। प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनियां, ज़िला अध्यक्ष रामनिवास सांखला, नागौर विधायक मोहनराम चौधरी और यात्रा में मीडिया सहयोगी अशोक सिंह शेखावत मौजूद रहे।

भाजपा जनता के मुद्दों को कभी नहीं भूलती: दाधीच

कोटा देहात पहुंची परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान हुई प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का मामला हो, पेपर लीक का मामला हो, दलित अत्याचार का मामला हो या फिर प्रदेश में बढ़ते अपराध का मामला हो भाजपा ने सदैव जनता के मुद्दों को उठाया है। भाजपा जनता सत्ता में हो या विपक्ष में जनता के मुद्दों को कभी भुलती नहीं है। प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर सबसे ज्यादा वैट के चलते पंप मालिकों की हड़ताल चिंता का विषय है।

सहेली

जब अवसर हो गणेश उत्सव का तो आस्था, भक्ति के साथ उल्लास और उमंग का भाव भी मन में हिलोरें मारने लगता है। खासतौर पर महिलाएं इस दौरान बड़े चाव से ट्रेडिशनल ड्रेसेस में सज-संवरकर पूजा पंडालों में दिखती हैं। कुछ सालों से इस दौरान महाराष्ट्रियन लुक कैरी करने का क्रेज बढ़ा है। इस लुक को कैरी कर आप भी स्पेशल नजर आ सकती हैं।

ट्रेडिशनल महाराष्ट्रियन लुक आप दिखेंगी डिफरेंट-अट्रैक्टिव

फैशन / नीलोफर

इस समें कोई दो राय नहीं है कि दस दिनों तक चलने वाला गणेश उत्सव धार्मिक ही नहीं पारंपरिक-सांस्कृतिक पर्व भी है। इस दौरान भारी संख्या में पुरुष और महिलाएं सुबह-शाम गणपति पंडालों में धार्मिक भाव और आस्था से आते हैं। पूजा करते हैं, आरती में हिस्सा लेते हैं और विघ्नविनाशक भगवान गणेश की महिमा गाते हैं। इस सबके साथ ही गणेश उत्सव सजने-संवरने, लोगों के एक-दूसरे से मिलने-जुलने का अवसर भी होता है। इस दौरान पंडालों में विशेष रूप से यंग और मिड एज की महिलाएं नए-ट्रेडिशनल फैशन को कैरी करती दिखती है। वैसे तो महिलाएं अपनी पसंद और ट्रेडिशन के हिसाब से ड्रेसअप पहनती ही हैं, लेकिन खांटी महाराष्ट्रियन लुक बहुत पसंद किया जाता है। इसीलिए इन दिनों महाराष्ट्रियन फैशन की खूब बल्ले-बल्ले रहती है और महिलाएं मराठी ड्रेसेस और एसेसरीज कैरी करती हैं।

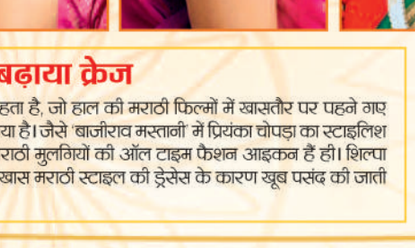

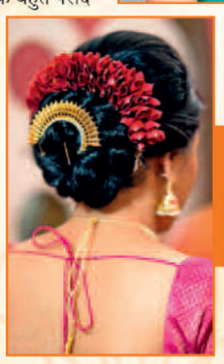

हर कहीं दिखता है जलवा

यह सच है कि महाराष्ट्रियन महिलाएं गणेश उत्सव के दौरान अपने पारंपरिक लुक में बहुत खूबसूरत नजर आती हैं। उनका यह लुक पूरे देश में अलग से पहचाना जाता है। यही वजह है कि चाहे गुवाहाटी हो या कोलकाता, लखनऊ हो या दिल्ली, रायपुर हो या भोपाल, अगर आप गणपति उत्सव के पंडालो में जाएं तो अनेक महिलाएं इसी लुक में दिखेंगी। ऐसे में आप भी इस उत्सव के रंग में रंगकर खुद को खांटी महाराष्ट्रियन लुक देना चाहेंगी। इसके लिए बहुत ज्यादा तैयारी भी नहीं करनी है, बस कुछ बातों को ध्यान में रखना होता है।

साड़ी बांधने की स्पेशल स्टाइल

महाराष्ट्रियन लुक में सबसे स्पेशल होती है, साड़ी बांधने की स्टाइल। ट्रेडिशनल ऑकेजन पर मराठी महिलाएं नौ गज की साड़ी पहनती हैं, जिसे मराठी में नऊवारी साड़ी कहते हैं। महाराष्ट्र के कई शहरों जैसे-कोल्हापुर, शोलापुर, नासिक, पुणे आदि में पैठनी साड़ी भी खूब पसंद की जाती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह उनकी पहली पसंद होती है। पैठनी साड़ियां अपने नेचुरल ब्यूटी वाले वर्क के लिए फेमस होती हैं। खास बात यह है कि मराठी महिलाएं जब साड़ी पहनती हैं तो उसे कमर में कसकर बांधती हैं और सिर्फ बांधती ही नहीं बल्कि गांठ भी लगाती हैं। कुछ महिलाएं तो पैरों के बीच से निकालकर कमर में कांछ भी लगाती हैं। आमतौर पर उत्तर भारत में पुरुष इस तरह से मर्दानी धोती पहनते हैं। साड़ी बांधने की इस स्पेशल स्टाइल में महाराष्ट्रियन महिलाओं का लुक बहुत डिफरेंट नजर आता है।

एसेसरीज से मिलता है कंप्लीट लुक

कंप्लीट-ट्रेडिशनल महाराष्ट्रियन लुक पाने के लिए साड़ी को स्पेशल ढंग से बांधने के साथ ही ज्वेलरी की भी बड़ी भूमिका होती है। गणेशोत्सव जैसे पारंपरिक त्योहारों पर मराठी महिलाएं अपनी नाक में नथ जरूर पहनती हैं। अगर गणेश उत्सव के दौरान आप महाराष्ट्र में गणपति पंडालों में जाकर देखें तो शायद ही कोई सजी-धजी महिला ऐसी मिले, जिसने नथ न पहन रखी हो। मराठी महिलाएं नथ के साथ-साथ कान में ट्रेडिशनल ज्वेलरी भी पहनती हैं। इसके साथ मोतियों वाले झुमके पहनना भी वे खूब पसंद करती हैं। लेकिन जो ज्वेलरी महाराष्ट्रियन महिलाओं को अन्य प्रदेश की महिलाओं के ड्रेसअप से अलग दिखाती है, वो होता है बाजूबंद। इस बाजूबंद से उनका लुक पूरी तरह बदल जाता है। इसके अलावा बालों में गजरा और मोटा जूड़ा तो महाराष्ट्रियन ट्रेडिशनल वूमेन लुक की जान है। उसके बिना तो महाराष्ट्रियन लुक कंप्लीट ही नहीं होता है। इन सबके अलावा माथे पर अर्धचंद्रमा वाली बिंदिया लगाकर महाराष्ट्रियन ट्रेडिशनल लुक कंप्लीट हो जाता है। कुल मिलाकर देखें तो महाराष्ट्रियन महिलाएं जब पारंपरिक रूप से ड्रेसअप होती हैं तो उनका लुक कुछ शाही सा नजर आता है। यहां बताई गई बातें फॉलो करके आप भी गणेशोत्सव में प्योर महाराष्ट्रियन लुक पा सकती हैं। *

फिल्मों ने बढ़ाया क्रेज

महाराष्ट्रियन लुक के लिए अधिकतर उन ड्रेसेस पर जोर रहता है, जो हाल की मराठी फिल्मों में खासतौर पर पहने गए होते हैं। कई हिंदी फिल्मों में भी मराठी लुक खूब पसंद किया गया है। जैसे 'बाजीराव मस्तानी' में प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक आज भी लड़कियां कैरी करती हैं तो माधुरी दीक्षित तो मराठी मुलगियों की ऑल टाइम फैशन आइकन हैं ही। शिल्पा शेट्टी और कंगना रनोट भी अपनी कुछ फिल्मों में पहनी गई खास मराठी स्टाइल की ड्रेसेस के कारण खूब पसंद की जाती रही हैं। *

रेसिपी
शिल्पी गोयल

गणपति को भोग लगाएं स्वादिष्ट-पौष्टिक लड्डू

आज गणेश चतुर्थी है। अगले दस दिन आप गणपति को उनके प्रिय लड्डू का भोग जरूर अर्पित करेंगी। बाजार से खरीदने के बजाय आप घर पर ही स्वादिष्ट-पौष्टिक लड्डू बना सकती हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ लड्डुओं की रेसिपी।

बेसन के लड्डू

सामग्री- बेसनः 100 ग्राम, घीः 80 ग्राम, चीनी या गुड़ः 80 ग्राम, पानीः आवश्यकतानुसार

विधि- सबसे पहले पैन को हल्का गर्म कर लें। अब पैन में घी डालें। फिर उसमें बेसन डालें और लाइट ब्राउन होने तक भूनें। अब इसमें थोड़ा सा पानी डालकर मिक्स करें और कुछ देर पकने दें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके तैयार किए गए बैटर को एक बर्तन में निकालकर ठंडा होने दें। अब इसमें चीनी या पिसा गुड़ डालकर मिक्स कर लें। अब इससे मोदक जैसे या मन चाहे आकार के लड्डू बना लें। *

रागी चॉकलेट लड्डू

सामग्री- रागी का आटाः 100 ग्राम, मूंगफली के दानेः 100 ग्राम, खजूर या गुड़ः 100 ग्राम, कोको पावडरः 20 ग्राम, घीः 30 ग्राम

विधि- सबसे पहले एक पैन में मूंगफली को रोस्ट करके अलग रख दें। अब पैन में घी को गर्म कर उसमें रागी का आटा डालकर अच्छे से भून लें और किसी बर्तन में निकाल लें। इसके बाद रोस्ट की हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर पीस लें, फिर उसी में खजूर या गुड़ और कोको पावडर डालकर अच्छे से पीस लें। अब इसमें ऊपर से भुना रागी का आटा डालें। फिर सभी को एक बर्तन में निकालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इनसे मोदक के आकार वाले या गोल लड्डू बना लें। *

कीटो वेगन लड्डू

सामग्री- बादाम का बुरादाः 100 ग्राम, कद्दू के बीज का बुरादाः 50 ग्राम, अलसी का बुरादाः 30 ग्राम, किसा हुआ नारियलः 100 ग्राम, कीटो चीनीः स्वादानुसार, घी और पानीः आवश्यकतानुसार

विधि- सबसे पहले एक पैन में घी डालकर हल्का गर्म कर लें। अब उसमें बादाम, कद्दू के बीज, अलसी और नारियल का सूखा बुरादा डालकर भून लें। फिर एक कटोरी में पानी में कीटो चीनी डालकर घोल बना लें। इसे पैन में डालकर चलाती रहें। इसका एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे एक बर्तन में निकालकर ठंडा कर लें, फिर इनके मनचाहे आकार के लड्डू बना लें। *

(लेखिका आईडीए छत्तीसगढ़ चैप्टर की प्रेसिडेंट हैं)

आज से शुरू हो रहे गणेश उत्सव के दौरान आप भी पूजा पंडालों में जरूर जाएंगी। ऐसे में आप जरूर चाहेंगी कि आपका मेकअप लुक अट्रैक्टिव नजर आए। इसीलिए हम आपको यहां परफेक्ट मेकअप मैथड डिटेल में बता रहे हैं।

फेस्टिव सीजन में पाएं खिली-निखरी खूबसूरती

मेकअप / निधि गोयल

गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं में संजने-संवरने का भी काफी क्रेज होता है। इस दौरान अपनी पसंद के अनुसार साड़ी, सूट या लहंगा जो भी आप कैरी करें, उसे परफेक्ट मेकअप से और अट्रैक्टिव बना सकती हैं। अगर आप यहां बताए जा रहे टिप्स को फॉलो करें तो इस फेस्टिव सीजन में प्यारी और अट्रैक्टिव नजर आएंगी।

फेस क्लींजिंग : मेकअप शुरू करने से पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ कर लें। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो अपने फेस को ठंडे पानी से धोएं। इससे मेकअप करते समय आपका फेस ऑयली नजर नहीं आएगा। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो अपने फेस को सादे पानी से ही धोएं।

मॉयश्चराइजिंग : आपकी स्किन चाहे ऑयली हो या ड्राई लेकिन मेकअप से पहले अपने फेस पर मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं। सही तरीके से मॉयश्चराइजिंग करने से फेस पर मेकअप इफेक्टिव और काफी ग्लोइंग नजर आता है। इसलिए अपने फेस को मॉयश्चराइज करना न भूलें।

आईशैडो : फेस के बाद आई मेकअप करते समय ध्यान रखें कि आंखें ही हमारे फेस को अट्रैक्टिव बनाती हैं। इसलिए आईशैडोज में आप कुछ डार्क शेड्स ट्राई कर सकती हैं। जैसे-ग्रीन, रेड या पिंक। इस तरह के आईशैडो कलर फेस्टिवल पर बहुत सुंदर नजर आते हैं।

प्राइमर : आपने देखा होगा कि कुछ महिलाओं का मेकअप कुछ देर बाद क्रैक्ड नजर आने लगता है। इससे बचने के लिए प्राइमर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि यह आपकी स्किन को स्मूद बनाकर एक प्लेन लुक देता है। इसे अप्लाई करने के लिए प्राइमर को अपनी अंगुलियों की टिप्स पर लेकर पूरे चेहरे पर लगाएं और उसे अच्छी तरह ब्लेंड कर लें।

फाउंडेशन : फाउंडेशन लगाते समय इस बात का जरूर ध्यान रखें कि आप मेकअप किस ऑकेजन के लिए कर रही हैं। चूंकि आप फेस्टिवल के लिए मेकअप कर रही हैं तो स्किन टोन के अकॉर्डिंग फाउंडेशन की लाइट लेयर का इस्तेमाल करें। फाउंडेशन को चेहरे, गर्दन पर लगाएं और मेकअप ब्लेंडर की मदद से उसे अच्छे से ब्लेंड करें।

कंसीलर : फाउंडेशन के बाद अगले स्टेप में कंसीलर अप्लाई करें। यह आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स या फिर दाग-धब्बों को छिपाने में मदद करता है। आप इसे ब्रश की सहायता से आंखों के नीचे या दाग-धब्बों वाली जगह पर लगा सकती हैं, फिर अंगुलियों की मदद से फेस पर ब्लेंड करें।

ब्लशर : मेकअप को और अट्रैक्टिव बनाने के लिए ब्लशर जरूर लगाएं। इससे आपका मेकअप दमक उठेगा। ब्लशर हमेशा गालों पर नीचे से ऊपर की तरफ अप्लाई करना चाहिए। लेकिन बहुत ज्यादा ब्लश न लगाएं, इससे मेकअप ओवर दिख सकता है।

आईलाइनर: आंखों पर जब तक आईलाइनर नहीं लगाएं, तब तक आंखें सूनी नजर आती हैं। इसलिए आईशैडो के साथ आंखों पर आईलाइनर भी जरूर लगाएं। अगर आपका मन आईशैडो लगाने का न हो, तो भी आप कलर्ड आईलाइनर लगा सकती हैं। ये भी आईशैडो जैसा ही लुक देते हैं।

लिपस्टिक : आंखों के बाद लिप्स मेकअप की बारी आती है। लिपस्टिक में आजकल ग्लॉसी लिपस्टिक काफी इन है, तो आप ड्रेस के अकॉर्डिंग ग्लॉसी लिपस्टिक अप्लाई करें। लिपस्टिक के कलर के हिसाब से लिपलाइनर से होंठों को हाईलाइट करें। इस तरह आपका मेकअप कंप्लीट हो जाएगा। *

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर टिप्स

आपकी स्किन पर मेकअप तभी फबता है, जब स्किन हेल्दी और ग्लोइंग हो। इसके लिए आप कुछ बातों को फॉलो कर सकती हैं।

- रात को सोने से पहले और कहीं बाहर से आने के बाद चेहरे को अच्छे से साफ करें। इससे चेहरे पर मौजूद धूल, मिट्टी हट जाती है।
- घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन जरूर लगाएं। यह आपको सन टैनिंग से बचाता है।
- हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स का ही स्किन पर इस्तेमाल करना चाहिए, जो आपकी स्किन पर सूट करता हो। इसलिए अपनी स्किन नेचर को जरूर जान लें।
- अगर कोई एलर्जी न हो तो एलोवेरा जैल को अप्लाई करते रहें। ये स्किन पर दाग-धब्बों को हटाकर सॉफ्ट बनाता है।
- 15 दिन में एक बार फेस मसाज जरूर करवाएं। इससे फेस स्किन का ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और स्किन में निखार आता है। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

राहुल की विश

नीता एक कप चाय देना।' पति दीपेश ने पत्नी को आवाज लगाई। नीता भुनभुनाते हुए किचन से चाय का कप लेकर बाहर आई।

'क्या हुआ.. मूड क्यों खराब है?' दीपेश ने पूछा।

'जब से आपके बाबूजी गांव से आए हैं, मेरा तो जीना मुहाल हो गया है। अधिकतर समय किचन में ही बीतता है।' नीता चिढ़कर बोली।

'जरा धीरे बोलो नीता... अगर बाबूजी ने सुन लिया तो क्या सोचेंगे? फिर यह भी तो देखो, जब से पिताजी आए हैं, अपना बेटा राहुल कितना खुश रहने लगा है। उनके साथ रहकर वह अच्छी बातें सीख रहा है, संस्कारवान हो रहा है।' दीपेश ने धीमी आवाज में पत्नी को समझाने की कोशिश की।

'जो भी हो... पर अब मुझसे आपके बाबूजी की सेवा नहीं होगी। कोई जुगत लगाइए, वे जल्दी गांव चले जाएं।' नीता नाक-भौं सिकोड़ते हुए बोली।

तभी एकाएक बाबूजी सामने आ गए। चेहरे पर उदासी साफ झलक रही थी, बोले, 'बेटा, मेरी टिकट करवा दो, गांव जाना है। गांव में कुछ जरूरी काम आ पड़ा है।' दरअसल, बाऊजी ने दोनों पति-पत्नी के बीच हुई बातें सुन ली थीं।

बाबूजी की बात सुनकर दीपेश ने राहत की सांस ली। मन ही मन सोचा, 'बिना कोई जुगत लगाए ही बात बन गई।' सब कुछ सुन देख रहा दीपेश-नीता का आठ वर्षीय बेटा राहुल बीच में ही बोला, 'नहीं दादा जी! आप गांव मत जाइए। अगर आप चले जाएंगे तो मेरा मन कैसे लगेगा? मुझे रात में अच्छी-अच्छी कहानियां कौन सुनाएगा?'

बात को बिगड़ते देख दीपेश झट से बोल पड़ा, 'नहीं बेटा! जिद नहीं करते। बाबूजी को जरूरी काम आ गया है, वो रुक नहीं सकते।'

'हां बेटा! मैं बाद में आऊंगा।' बाऊजी स्नेह से अपने पोते के सिर पर हाथ फेरते हुए बोले।

दीपेश ने दो दिन बाद की बाबूजी की टिकट बनवा दी।

आज वह दिन भी आ गया। दीपेश बाबूजी को रेलवे स्टेशन छोड़ने गया। इधर राहुल घर में मुंह फुलाए बैठा था, 'दादाजी क्यों गांव चले गए?'

'अरे बेटा, उदास क्यों होते हो? आज तो गणेश चतुर्थी है, हम गणपति बप्पा को घर लाए हैं। तुम्हारे पापा और दादाजी सुबह गणपति की पूजा करके गए हैं। तुम सो रहे थे, तुम भी नहा-धोकर पूजा कर लो। तुमको गणपति से जो भी विश मांगनी हो, मांग लेना। वे सबकी विश पूरी करते हैं।' नीता ने बेटे को बहलाया।

'सच मम्मी..!' कुछ सोचकर राहुल खुशकर बोला।

राहुल ने खुशी-खुशी गणपति की पूजा-अर्चना की, प्रसाद ग्रहण करके टीवी देखने बैठ गया। कुछ ही देर बाद डोर बेल बजी। नीता ने जाकर दरवाजा खोला। उसने देखा, दीपेश और बाबूजी सामने खड़े हैं।

दीपेश ने बताया, 'बाबूजी की ट्रेन छूट गई, इसलिए बाबूजी लौट आए।' यह सुनते ही नीता का चेहरा उतर गया, जबकि राहुल खुशी से उछल पड़ा, 'वाह मम्मी! आपने सही कहा था। देखो न गणपति बप्पा ने मेरी विश कितनी जल्दी पूरी कर दी। दादाजी वापस आ गए।'

नीता और दीपेश एक-दूसरे का चेहरा देखते रह गए। राहुल चहकते हुए अपने दादाजी को लेकर घर के भीतर चला गया। *

हिलव्यू समाचार

खेल

जयपुर, गुरुवार, 21 सितम्बर 2023

2018 में एशिया कप में ही मिली थी आखिरी कामयाबी, पिछले 10 साल में 4 फाइनल हारे

टीम इंडिया 5 साल बाद जीत सकती है मेजर टूर्नामेंट

एजेंसी . कोलंबो

भारतीय टीम रविवार को उस इंतजार को खत्म कर सकती है जो उसके फैंस पिछले पांच साल से कर रहे हैं। क्रिकेट के किसी मेजर टूर्नामेंट में खिताबी जीत का इंतजार। इस दिन 16वें एशिया कप के फाइनल में भारत का सामना कोलंबो में श्रीलंका से होना है।

भारतीय टीम आखिरी बार 2018 में किसी मेजर ट्रॉफी को अपने नाम करने में कामयाब हुई थी। तब हमारी टीम ने यूएई में खेले गए 14वें एशिया कप में खिताब जीता था।

इसके बाद से भारत इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के 5 और एशियन क्रिकेट काउंसिल के 1 इवेंट में हिस्सा ले चुका है और इनमें से एक में भी हमारी टीम चैंपियन नहीं बन सकी।

4 टी-20 वर्ल्ड कप खेले, 3 बार नॉकआउट में हारे

2014 में बांग्लादेश में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम फाइनल में पहुंची। 2016 में अपनी मेजबानी में हुए इस टूर्नामेंट में भारत का सफर सेमीफाइनल में थम गया। 2021 में यूएई में टी-20 वर्ल्ड कप हुआ। तब हम नॉकआउट में भी नहीं पहुंच पाए। 2022 में ऑस्ट्रेलिया ने इस इवेंट को होस्ट किया। इसमें हम सेमीफाइनल में हार गए।

10 साल में 2 वनडे वर्ल्ड कप खेले, दोनों में सेमीफाइनल हारे

2015 का वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया। इसमें भारत सेमीफाइनल में हार गया। 2019 का वर्ल्ड कप इंग्लैंड में खेला गया। इस बार भी हमें सेमीफाइनल में शिकस्त मिली।

लगातार 2 वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल हारे

टीम इंडिया ने 2 बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशि का फाइनल खेला, लेकिन दोनों में ही टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

10 साल में 13 टूर्नामेंट खेले, 2 बार एशिया कप ही जीत सके

टीम इंडिया ने 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। तब से टीम इंडिया ने आईसीसी और एसीसी के कुल 13 टूर्नामेंट खेल लिए, लेकिन सफलता 2 बार एशिया कप में ही मिल सकी। भारत ने 2016 और 2018 में एशिया कप का खिताब जीता था।

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने फाइनल हराया

भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में ही आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। तब से अब तक एक ही बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। 2017 में इंग्लैंड ने टूर्नामेंट की मेजबानी की। भारत ने ग्रुप स्टेज में टॉप करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। बांग्लादेश को सेमीफाइनल हराकर टीम फाइनल में भी पहुंच गई लेकिन लीग मैच में हमसे हारने वाला पाकिस्तान खिताबी मुकाबले में भारी पड़ गया।

मलान का शतक, सीरीज पर 3-1 से कब्जा किया

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 100 रन से हराया

एजेंसी . लंदन

डेविड मलान के शतक की मदद से इंग्लैंड ने चौथे एवं अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 100 रन से हराकर श्रृंखला 3-1 से जीत ली।

मलान ने 114 गेंद में 14 चौके और तीन छक्के से 127 रन बनाए जिससे इंग्लैंड ने नौ विकेट पर 311 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 38.2 ओवर में 211 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने पिछले हफ्ते कार्डिफ में आठ विकेट की जीत से श्रृंखला शुरु की थी लेकिन इसके बाद तीनों मैच गंवा दिए।

न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 61 रन की पारी खेली, उनके अलावा हेनरी निकोल्स ने 41 और ग्लेन फिलिप्स ने 25 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड की ओर से

मोईन अली ने 50 रन देकर चार विकेट झटके। अब दोनों टीमें विश्व कप के शुरुआती मैच में पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में एक दूसरे के आमने सामने होंगी। इंग्लैंड ने चार साल पहले विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड पर सुपर ओवर में नाटकीय जीत दर्ज की थी।

मलान ने बुधवार को तीसरे वनडे में भी 96 रन की पारी खेली थी लेकिन तब बेन स्टोक्स ने 182 रन बनाए थे जो इंग्लैंड के किसी भी खिलाड़ी का वनडे में सर्वोच्च स्कोर है। स्टोक्स को चौथे मैच में विश्राम दिया गया। मलान को छोड़कर इंग्लैंड का कोई भी अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। कप्तान जोस बटलर ने 31 गेंदों पर 36 रन का योगदान दिया जबकि जो रूट ने 29 और लियाम लिविंगस्टोन ने 28 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से स्पिनर रचिन रवींद्र सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 60 रन देकर चार विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया को 164 रन से हराया, क्लासेन ने 83 बॉल पर बनाए 174 रन

7वीं बार 400+ बनाकर जीता साउथ अफ्रीका

एजेंसी . सेंचुरियन

मध्यक्रम के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पारी की अंतिम गेंद पर आउट होने से पहले 83 गेंदों पर 174 रन की धमाकेदार पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 164 रन की शानदार जीत से श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

दक्षिण अफ्रीका ने क्लासेन की शानदार पारी की मदद से पांच विकेट पर 416 रन का विशाल स्कोर बनाया। फिर उसने ऑस्ट्रेलिया को 34.5 ओवर में 252 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप की

तैयारियों के आयोजित पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन उसने यह बढ़त गंवा दी। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हेड के हाथ में चोट लग गई जिससे उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की 99 रन की पारी भी ऑस्ट्रेलिया के काम नहीं आ सकी। उसके लिए कैरी के अलावा टिम डेविड ने 35 और मार्नस लाबुशेन ने 20 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने चार और कागिसो रबाडा ने तीन विकेट झटके। इससे पहले पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे क्लासेन ने अपनी पारी में 13 चौके और 13 छक्के लगाए।

ब्रीफ खबरें

क्रेजसिकोवा और केनिन भिड़ेंगी सान डिएगो ओपन फाइनल में

सान डिएगो। चेक गणराज्य की चौथी वरीय बारबोरा क्रेजसिकोवा ने गैर वरीय अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स को 3-6, 7-5, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए सिमबायोटिका सान डिएगो ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। अब क्रेजसिकोवा का सामना फाइनल में सोफिया केनिन से होगा। केनिन ने दूसरे सेमीफाइनल में क्वालीफायर एम्मा नावारो को 6-2, 5-7, 6-4 से मात दी।

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में अभिमन्यु ने किया उलटफेर

बेलग्रेड। युनाइटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) विश्व चैंपियनशिप के पहले दिन सभी चार भारतीय फ्री-स्टाइल पहलवानों ने शनिवार को यहां अपने शुरुआती दौर के मुकाबलों में जीत हासिल की, जिसमें 70 किग्रा पहलवान अभिमन्यु ने रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज यूक्रेन के इहोर न्यकीफोरुक को हराया। जून में अंडर23 विश्व चैंपियनशिप में

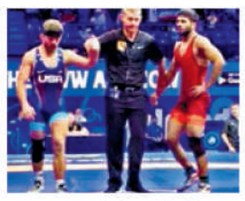

कांस्य पदक विजेता और विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर रहे अभिमन्यु ने यूक्रेन के खिलाड़ी को 19-9 से हराया।

बाबर को अब पूरा समर्थन चाहिए: हफीज

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और क्रिकेट बोर्ड की तकनीकी समिति के सदस्य मोहम्मद हफीज ने अगले महीने भारत में होने वाले विश्व कप से पहले कप्तान बाबर आजम का समर्थन करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने की बात कही। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए हफीज ने बाबर की कप्तानी की आलोचना का जिक्र करते हुए कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान की हार के लिए सिर्फ उन्हें ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हफीज ने कहा, ''एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचने के लिए सिर्फ उसे ही दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समय देश के क्रिकेट जगत को बाबर और उसकी टीम का समर्थन करने की जरूरत है।

विश्व कप से पहले लय में बने रहने के लिए एशिया कप जीतना अहम : गिल

एजेंसी . कोलंबो

भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले एशिया कप फाइनल में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टीम अगले महीने शुरु होने वाले विश्व कप से पहले लय में रहेगी।

गिल ने कहा कि एशिया कप जीतने से टीम आत्मविश्वास से भरी रहेगी। उन्होंने शुक्रवार को रात बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमारे लिए एशिया कप फाइनल जीतना बहुत अहम है क्योंकि हमें जीत की आदत बनानी होगी। सही समय पर फॉर्म में आना और सही समय पर लय हासिल करना महत्वपूर्ण है।''

गिल ने कहा, ''जीत की लय जारी रखना अहम है क्योंकि एक या दो मैच गंवाने से दबाव बन सकता है। यहां खिताब जीतने से हमारी लय बनी रहेगी और विश्व कप से पहले हमारा आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा।'' भारत को शुक्रवार को इस मैच में छह रन से हार का सामना करना पड़ा जिसमें गिल ने

शतकीय पारी खेली। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमने किसी तरह की लय गंवायी है। मुझे लगता है कि हमने बांग्लादेश के निचले क्रम के बल्लेबाजों को 10-15 रन अतिरिक्त बनाने दिये। लेकिन इसके अलावा हमने अच्छा क्रिकेट खेला।'' गिल ने कहा, ''लेकिन इस तरह के विकेट पर ये चीजें होती रहती हैं। उम्मीद करता हूं कि हम यहां इन चीजों से सीख लेकर एशिया कप फाइनल और विश्व कप में इसका फायदा उठायेंगे।''

धीमी पिचों पर अपनी बल्लेबाजी सुधार रहे हैं गिल

शतकवीर शुभमन गिल को छोड़कर सभी भारतीय बल्लेबाज एशिया कप सुपर फोर मैच में धीमी पिच पर बांग्लादेश के स्पिनरों के खिलाफ जूझते नजर आए लेकिन इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वे ऐसी पिचों पर महारत हासिल करने के लिए अपने बल्लेबाजी कौशल पर काम कर रहे हैं। अब टीम रविवार को श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलेगी। गिल ने कहा कि विश्व कप और एशिया कप फाइनल को देखते हुए इस पहलू पर ध्यान लगाना महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम गिल के शतक के बावजूद 265 रन के लक्ष्य को हासिल करने में असफल रही।

3 अनकैप्ड खिलाड़ियों को मिली जगह

बांग्लादेश ने वनडे सीरिज के लिए किया टीम का ऐलान

एजेंसी . ढाका

अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल और हरफनमौला महमूदुल्लाह की न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

महमूदुल्लाह को खराब फॉर्म के कारण मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था जबकि तमीम पीठ की चोट से परेशान थे। हरफनमौला सौम्य सरकार और विकेटकीपर नुरुल हसन की भी टीम में वापसी हुई, लेकिन कप्तान शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम और मेहदी हसन के साथ तस्कीन अहमद, हसन महमूद और शरीफुल इस्लाम की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को विश्राम दिया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच 21, 23 और 26 सितंबर को मीरपुर में होंगे।

बांग्लादेश टीम (पहले और दूसरे वनडे के लिए): लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, सौम्या सरकार, अनामुल हक, तौहीद हृदय, महमूदुल्लाह, नुरुल हसन, महेदी हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तनजीद हसन तमीम, जाकिर हसन, रिशाद हुसैन और सैयद खालिद अहमद।

कई स्टार खिलाड़ी अभी इंजरी से जूझ रहे हैं, कुछ ऐसे भी हैं, जो वर्ल्ड कप से बाहर भी हो सकते हैं, 5 अक्टूबर से होगी वर्ल्ड कप की शुरुआत

वर्ल्ड कप से पहले और बढ़ सकती है चोटिल खिलाड़ियों की संख्या

एजेंसी . दुबई

आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 की शुरुआत में अब काफी कम समय बचा हुआ है। इस बार वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से लेकर 19 नवंबर तक भारतीय जमीन पर खेला जाना है। वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में होना है। जैसे-जैसे वर्ल्ड कप का समय नजदीक आ रहा है, चोटिल खिलाड़ियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। कई स्टार खिलाड़ी अभी इंजरी से जूझ रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो वर्ल्ड कप से बाहर रह सकते हैं।

अक्षर पटेल: भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल इस लिस्ट में शामिल होने वाले नवीनतम खिलाड़ी हैं। अक्षर को बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप 2023 मैच के दौरान इंजरी हो गई थी। अक्षर पटेल के कवर के तौर पर वॉशिंगटन सुंदर को एशिया कप फाइनल के लिए श्रीलंका बुलाया गया है।

ट्रेविस हेड: साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान हेड के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जे की उछाल भरी गेंद हेड के बाएं हाथ पर लगी। इंजर्ड होने के बाद हेड को रिटायर हर्ट होना पड़ा।

स्टीव स्मिथ: विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया की इंजरी लिस्ट

में स्टीव स्मिथ का भी नाम शामिल है। स्मिथ अपनी बाईं कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। इसके कारण वह चार सप्ताह के लिए मैदान से बाहर हैं।

मिचेल स्टार्क: ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी चोट

से जूझ रहे हैं। एशेज सीरीज के बाद बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को कंधे में चोट और कमर में दर्द का सामना पड़ा।

टिम साउदी: न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का वनडे विश्व कप में खेलना संदिग्ध है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक साउदी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए इंजर्ड हुए और उनके दाएं अंगूठे की हड्डी टूट गई है।

महीष तीक्षणा: श्रीलंकाई स्पिनर महीष तीक्षणा हैमस्ट्रिंग

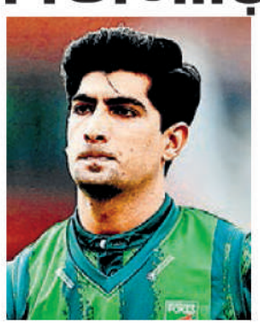

इंजरी के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाएंगे। तीक्षणा को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए चोट लग गई।

दुष्मंता चमीरा: श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा को लंका प्रीमियर लीग के दौरान कंधे में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह एशिया कप 2023 से बाहर हो गए थे।

वानिंदु हसरंगा: श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसारंगा का नाम भी चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल है। हसारंगा पूरे एशिया कप में नहीं खेल पाए।

नसीम शाह: पाकिस्तानी तेज गेंदबाज नसीम शाह पूरे वर्ल्ड कप से बाहर रह सकते हैं। नसीम को भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले के दौरान कंधे में चोट गई थी।

हारिस रऊफ: दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ भी चोटिल हैं। रऊफ को भारत के खिलाफ मैच के दौरान बाजू में चोट लग गई थी। हालांकि इसके बावजूद रऊफ टीम से जुड़े रहे।

एनरिक नॉर्किया: साउथ अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज को स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज से हटना पड़ा था।

पैट कमिंस: ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस कलाई में चोट के चलते साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर हैं।

इन 11 खिलाड़ियों के अलावा श्रेयस अय्यर (भारत), ग्लेन मैक्सेवल (ऑस्ट्रेलिया) और एडम मिल्ने (न्यूजीलैंड) भी इंजरी से जूझ रहे हैं। आने वाले दिनों में ये लिस्ट और भी लंबी हो सकती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)

प्रधानमंत्री ने 50 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और शिवराज सिंह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकसित राज्य की तरफ तेजी से हो रहा है अग्रसर: मुख्यमंत्री खट्टर

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश आज विकसित राज्य की दिशा में बढ़ा है। आज जनता हमारी सरकार पर भरोसा दिखा रही है और समाज का हर वर्ग सरकार की कार्यप्रणाली से संतुष्ट है। मनोहर सोमवार को मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा कि बुंदेलखंड की यह धरती वीरों व दानियों की धरती है और आज यहां आना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

जनहित पर ध्यान

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में रोजगार पैदा हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 50 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया है।उन्होंने कहा कि सीएम शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गरीब कल्याण, वंचितों व जरूरतमंदों के आर्थिक उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं।

- बुंदेलखंड की धरती वीरों व दानियों की धरती है
- बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर पैदा होंगे
- कांग्रेस ने छीनी थी बुनियादी सुविधाएं

हरियाणा सरकार ने थ्री-सी पर किया प्रहार

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हमने 5-एस शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, सुरक्षा और स्वालंबन पर जोर दिया है और थ्री-सी यानी करप्शन, क्राइम और कास्ट से जुड़ी राजनीति पर हमने गहरी चोट की है। सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। परिवार पहचान पत्र से लोगों को घर बैठे मिल रही सुविधाएं । मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने नागरिकों को पारदर्शी शासन मुहैया करवाया है और पात्र व्यक्तियों को सभी सुविधाएं देने के लिए परिवार पहचान पत्र जैसी अनूठी योजना शुरू की है।

कांग्रेस के समय न बिजली थी न पानी,सिर्फ किल्लत थी

कांग्रेस के कार्यकाल में मध्य प्रदेश में न सड़क थी, न बिजली थी और न पानी था। मनोहर लाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में कुछ वक्त के लिए सत्ता गलत हाथों में चली गई थी, जिसकी वजह से लोक कल्याण की बजाय सत्ता का दुरूपयोग शुरू हुआ। कांग्रेस की थोड़े समय की सरकार ने बंदर के हाथ में उस्तरे की कहावत को सही साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में मध्य प्रदेश में न सड़क थी, न बिजली थी और न पानी था। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं देना सुनिश्चित किया है।

सुप्रिया सुले ने कहा कि चाहे आप इसे इंडिया कहें या भारत यह आपका अपना देश है

एनसीपी नेता सुप्रिया सुले भी हुईं प्रधानमंत्री मोदी की मुरीद,संसद में जमकर की तारीफ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रिया सुले ने भाजपा के कई नेताओं को लेकर अपना मत रखते हुए कहा कि मुझे अब भी लगता है कि वे सबसे बड़े नेताओं में से एक थे और असाधारण सांसद थे जिनका हम आदर करते हैं। उसमें से एक सुषमा स्वराज और दूसरे अरुण जेटली कई नेता हैं। सुले ने यहां तक कहा कि भारत और इंडिया जो भी है हमारा अपना देश है।

संसद का विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। इस सत्र के पहले दिन का कार्यवाही पुराने भवन में ही हुई। मंगलवार से नई इमारत में संसद भवन की कार्यवाही होगी। ऐसे में इस पुराने भवन में संसदीय कार्यवाही का आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने भाषण में संसद के 75 वर्षों के इतिहास को याद किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के भाषण की जमकर तारीफ हुई। इस मौके पर एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने पीएम मोदी के भाषण की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं आज पीएम के भाषण की सराहना करती हूं । जहां उन्होंने सराहना की कि शासन निरंतरता है, इस देश के निर्माण में पिछले 7 दशकों में विभिन्न लोगों ने योगदान दिया है, जिसे हम सभी समान रूप से प्यार करते हैं। सुप्रिया सुले ने कहा कि चाहे आप इसे इंडिया कहें या भारत, यह आपका अपना देश है। हम सभी यहीं पैदा हुए हैं, हम सभी यहां आकर धन्य हैं। मैं उन दो लोगों को रिकॉर्ड पर रखना चाहूंगी जिनका आज भाजपा ने उल्लेख नहीं किया है, जिनसे मैं अपने संसदीय कार्यों में अत्यधिक प्रभावित रही हूं, जो भाजपा से आते हैं। मुझे अब भी लगता है कि वे सबसे बड़े नेताओं में से एक थे और असाधारण सांसद थे जिनका हम आदर करते हैं, एक सुषमा स्वराज और दूसरे अरुण जेटली. सुप्रिया सुले ने कहा कि वे लगातार सहकारी संघवाद की बात करते रहे।

जयराम रमेश को चेतावनी कहा सुपर एलओपी न बने

खरगे बोले जी 20 के लोगो में जीरो कमल से ढक गया है

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी की 'तारीफ' में पढ़ी कविता

संसद सत्र के दौरान राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के ऊपर जमकर तंज कसा। इस बार खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने के लिए पार्लियामेंट सेशन में कविता पाठ का सहारा लिया। खरगे ने अपनी कविता को पढ़ते हुए कहा कि बदलना है तो हालात बदलो। ऐसे नाम बदलने से क्या होता है? देना है तो युवाओं को रोजगार दो, सबको बेरोजगार करके क्या होता है? दिल को थोड़ा बड़ा करके देखो, लोगों को मारने से क्या होता है? कुछ कर नहीं सकते तो कुर्सी छोड़ दो, बात-बात पर डराने से क्या होता है? अपनी हुक्मरानी पर तुम्हें गुरूर है, लोगों को डराने-धमकाने से क्या होता है?

इनको सिर्फ जी 2 दिखता है

मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में जी 20 को लेकर केंद्र सरकार पर कटाक्ष करने की कोशिश की। खरगे ने जी 20 को जी 2 बताया और जब उन्हें टोका गया तो उन्होंने कहा कि कमल से जीरो ढक गया था। वहीं खड़गे द्वारा कटाक्ष किए जाने पर इस पर राज्यसभा के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि मेहरबानी करके जी-20 का मजाक मत उड़ाइए. ये बहुत बड़ा ग्रुप है। शायद हमारे नेता विपक्ष खड़गे जी को केवल 2जी ही दिखते हैं- 2जी और सन-जी।

जयराम रमेश को धनखड़ ने लगाई फटकार

विशेष सत्र में कार्यवाही के दौरान राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने बार-बार व्यवधान को लेकर जयराम रमेश को फटकार लगाई। उन्होंने पूछा, जब नेता विपक्ष (एलओपी) मल्लिकार्जुन खड़गे बोल रहे हैं, तब आप सुपर एलओपी बनने की कोशिश क्यों कर रहे हैं?जगदीप धनखड़ ने कहा, जयराम रमेश जी, आप अपनी आदत के शिकार हो गए हैं। जब मैं खड़गे जी से बात कर रहा हूं, फिर आप हर बार हस्तक्षेप क्यों

करते हैं? हम यह उम्मीद नहीं कर सकते कि एलओपी इस मौके का इस्तेमाल रुकावट, हंगामा आदि को सही ठहराने के लिए करेगी, तो यह अच्छा नहीं है। जब खड़गे ने जी-20 को जी-2 कहा तो इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें टोक दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह जी-20 है। इसके जवाब में खड़गे ने कहा कि जीरो कमल से ढका हुआ है। नेता विपक्ष ने कहा,जी-20 का जो विज्ञापन है, उसमें जी-20 की जगह जी-2 ही दिखता है क्योंकि इसमें जीरो कमल से ढंका हुआ है। खड़गे के इस जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा कि खड़गे जी यह आपके स्तर का नहीं है।

मनमोहन सिंह मौन नहीं थे अधीर बोले

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने संसद में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को याद किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह को कहा जाता था कि वह मौन रहते हैं, वह मौन नहीं रहते थे। बल्कि काम ज्यादा और बात कम करते थे। लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपलब्धियों को गिनाया। सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू जी के साथ ही संविधान सभा के हर सदस्य ने यह शपथ ली थी कि हम देश को आगे बढ़ाएंगे। नेहरू जी की दूरदर्शिता और विक्रम साराभाई की अगुवाई में इसरो बना। 1975 में देश ने आर्यभट्ट सैटेलाइट लॉन्च किया।

बैठक में कांग्रेस नेताओं की मांग

5 राज्यों के विस चुनाव के बाद हो सीटों का बंटवारा

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

आईएनडीआईए गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट शेयरिंग पर चर्चा इस साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद की जाए। हैदराबाद में 16-17 सितंबर को हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पार्टी हाईकमान से यह मांग की है।खबरों के मुताबिक यह मांग करने वाले ज्यादातर नेता उन राज्यों से हैं, जहां कांग्रेस का सीधा मुकाबला आईएनडीआईए गठबंधन की दूसरी पार्टियों से है। इन नेताओं को भरोसा है कि पार्टी 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में अच्छा परफॉर्म करेगी, जिससे वे सीट शेयरिंग के दौरान मजबूत स्थिति में रहेंगे। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में इस साल के आखिर में चुनाव होने हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने अब तक तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन संभावना है कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में इसका ऐलान हो जाए।

मोदी की तारीफ पर सिंहदेव को डांटा

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव को पीएम मोदी की तारीफ करना भारी पड़ गया। इसके लिए टीएस सिंह देव को हैदराबाद में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की विस्तारित बैठक माफी मांगनी पड़ी। कुछ दिन पहले एक सरकारी कार्यक्रम में मंच साझा करते हुए टीएस सिंह देव ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा था कि केन्द्र सरकार ने कोई भेदभाव नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टीएस सिंह देव को फटकार लगाने के अंदाज में पूछा कि आपने उनकी तारीफ की क्या वो लोग हमारे किसी काम की सराहना करते हैं? खरगे ने विस्तारित कार्य समिति की बैठक में कहा, ''यह ध्यान रखें कि अपनी वाहवाही के लिए ऐसा कुछ न करें, जिससे पार्टी का नुकसान हो. अनुशासन के बगैर कोई नेता नहीं बनता. हम खुद अनुशासन में रहेंगे, तभी लोग हमारा अनुकरण करेंगे।

ये चाहते हैं सितंबर अंत तक हो बंटवारा

आईएनडीआईए गठबंधन हर लोकसभा क्षेत्र में एनडीए के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने की दिशा में काम कर रहा है, लेकिन इसमें कुछ दिक्कतें भी हैं। पंजाब, दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में सीट शेयरिंग पर एक राय नहीं बन रही है। आप के अरविंद केजरीवाल और सपा के अखिलेश यादव चाहते हैं कि सितंबर अंत तक सीटों का बंटवारा हो जाए।

खबर संक्षेप

अन्नाद्रमुक और भाजपा में बढ़ी तनातनी

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई पर निशान साधते हुए कहा हम अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते। जहां तक गठबंधन की बात है, तो ऐसा नहीं है। भाजपा अन्नाद्रमुक के साथ नहीं है। इस संबंध में फैसला केवल चुनाव के दौरान ही हो सकता है।

पीओपी की मूर्तियों पर रहेगा प्रतिबंध

चैन्नई। तमिलनाडु में प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी भगवान गणेश की मूर्तियों पर लगी रोग जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ऐसी मूर्तियों की बिक्री पर मद्रास हाई कोर्ट की ओर से लगाई गई रोक में दखल देने से मना कर दिया है। चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली निर्णय दिया।

पशु तस्करी मामला सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पशु तस्करी मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस नेता अनुब्रत मंडल की जमानत याचिका पर सीबीआई से सोमवार को जवाब मांगा है।जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी ने जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

नेता सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई की मंशा बताई

भारत में अखंड बंगाल चाहते थे बोस के बड़े भाईः सुगत बोस

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

बंगाल दिवस को लेकर भाजपा और टीएमसी की अलग-अलग मांग से उत्पन्न विवाद के बीच तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद और इतिहासकार सुगत बोस ने कहा है कि उनके दादा और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई शरत बोस ने 'अखंड भारत में अखंड बंगाल' की मांग उठाई थी। भाजपा चाहती है कि 20 जून को बंगाल दिवस मने।टीएमसी विधानसभा ने इस माह के प्रारंभ में एक प्रस्ताव पारित कर बंगाली कैलेंडर के पहले दिन 'पोइला बैशाख' को राज्य दिवस का प्रस्ताव है।

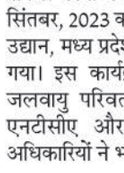

विभाजन के पक्ष में वोट डाला था

दरअसल आज जो पश्चिम बंगाल है, उसके विधायकों ने 1947 में 20 जून को ही बंगाल विभाजन के पक्ष में वोट डाला था। सुगत बोस ने एक समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि बंगाल के विधायकों, जिनमें अधिकतर कांग्रेस से थे, ने विभाजन के पक्ष में मतदान किया था क्योंकि कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें विभाजन के पक्ष में मतदान करने का आदेश दिया था। यह वाकई कांग्रेस का फैसला था।

राजद्रोह कानून पर बोले सीजेआई

पहले अंग्रेज अब सरकारें कानून की परिभाषा को बदल रही हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजद्रोह कानून को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ एक कार्यक्रम में बताया कि सेडिशन जैसे कानून समाज के लिए घातक हैं। उनका कहना था कि जब ये कानून बनाया गया तब अंग्रेजी हुकूमत हमारे ऊपर शासन करती थी। वो अपने हिसाब से कानून की परिभाषा को बदल देते थे, क्योंकि उनको आंदोलनकारियों पर शिकंजा कसना होता था। अब ये काम हमारी सरकार करती है। सीजेआई ने ये बात महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में कही।

आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ध्यान रहे कि सेडिशन कानून को लेकर सीजेआई केंद्र तक को आइना दिखा चुके हैं। केंद्र की आपत्ति के बावजूद उन्होंने सेडिशन से जुड़ा केस संवैधानिक बेंच के पास भेज दिया है। ये केस बड़ी बेंच में भेजना इस वजह से भी जरूरी थी क्योंकि 1962 का केदारनाथ केस इस कानून की दूसरी ही परिभाषा देता है। वो मानता है कि सेडिशन से जुड़ा कानून ठीक है। भारत में इसे लागू करने में कहीं भी किसी तरह से कोई दिक्कत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने गाइडलाइंस के लिए एनबीडीए को दिया अल्टीमेटम

टीवी समाचार चैनलों पर सुप्रीम कोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट टीवी समाचार चैनलों की निगरानी के स्व-नियामक तंत्र को 'सख्त' करना चाहती है। इसी को देखते हुए सोमवार को शीर्ष अदालत ने न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन (एनबीडीए) को नए गाइडलाइंस लाने के लिए और चार हफ्ते का समय दे दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दलीलों पर सुनवाई की। एनबीडीए की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने नए

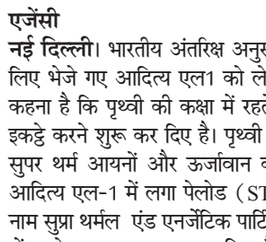

दिशानिर्देश लाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। जनरल तुषार ने कोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले में पहले ही तीन स्तरीय तंत्र तैयार किया है, जिसमें से पहला सेल्फ रेगुलेशन है।

शिवसेना विधायकों की अयोग्यताः समय सीमा तय करें स्पीकर

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य विधानसभा अध्यक्ष को अहम निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को एक सप्ताह के भीतर सुनवाई के लिए अपने समक्ष सूचीबद्ध करें।

भारत में प्रोजेक्ट चीता के सफल कार्यान्वयन का 1 वर्ष पूर्ण

प्रोजेक्ट चीता: कूनो में 6 महीने के शावक की गूंज रही किलकारियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उस वक्त एक इतिहास बनाया, जब 17 सितंबर, 2022 को धरती पर सबसे तेजी से दौड़ने वाला जानवर विलुप्त होने के लगभग 75 वर्षों के बाद आखिरकार भारत लौट आया। याद कीजिए जब मध्य प्रदेश के श्योपुर में पिछले वर्ष अपने जन्मदिन के मौके पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क से भारत के महत्वाकांक्षी 'प्रोजेक्ट चीता' का शुभारंभ किया था। कल 17 सितंबर के दिन 2023 में इसने एक साल पूरा कर लिया है। भारत में प्रोजेक्ट चीता के सफल कार्यान्वयन के एक वर्ष के उपलक्ष्य में, 17 सितंबर, 2023 को सेसईपुरा वन परिसर, कूनो राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण और वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), एनटीसीए और मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

खास बातें

- बीते 17 सितंबर को पीएम मोदी प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया था
- दक्षिण अफ्रीका के बारह चीतों को भी स्थानांतरित किया गया

विशेषज्ञ टीम ने की शवकों की पूरी देखरेख

इस साल फरवरी, 2023 में दक्षिण अफ्रीका के बारह चीतों को भी स्थानांतरित किया गया और उन्हें कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया है। यह चीता प्राकृतिक धरोहरो को बहाल करने में भारत की एक बड़ी उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करते है ।

भारत में चीता स्थानांतरण की बड़ी चुनौती

आम तौर पर अंतरमहाद्वीपीय लंबी दूरी के लिए चीतों के स्थानांतरण में मृत्यु का अंतर्निहित जोखिम होता है।इस कार्यक्रम में अंतर-महाद्वीपीय, जंगल से जंगल तथा नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत में चीता स्थानांतरण की बड़ी चुनौती थी, जो अतीत में की गई पारिस्थितिक रूप से भूल को सुधारने का दुनिया में पहला प्रयास है।

अधिकांश चीते खुद को बना रहे अनुकूल

एक मादा चीता ने 75 साल बाद भारत की धरती पर शावकों को जन्म दिया है। एक जीवित शावक अब 6 महीने का है और सामान्य रूप से बढ़ा हो रहा है। अब तक किसी चीता की मौत अवैध शिकार, जाल में फंसने, दुर्घटना, जहर और आपसी संघर्ष जैसे अप्राकृतिक कारणों से नहीं हुई है। अधिकांश चीते भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल रहे हैं और सामान्य गुणों को प्रदर्शित कर रहे हैं। इसमें शिकार और इलाके की खोज करना, मारे गए शिकार को तेंदुए और लकड़बग्घे आदि शामिल हैं।

लखीमपुर खीरी हिंसा की जांच बंद

जांच देखकर रिटायर्ड जज को भी कार्यमुक्त किया

लखीमपुर खीरी। हिंसा केस में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि हिंसा की जांच कर रही एसआईटी ने अपना काम पूरा कर लिया है। मामले में अब ट्रायल चल रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई एसआईटी को अब कार्यमुक्त किया जाता है। इस मामले में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने ये फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच की निगरानी कर रहे पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व जज राकेश कुमार जैन को भी कार्यमुक्त कर दिया है। उन्हें कार्यमुक्त करते हुए कहा कि

सूर्य के बारे में राज खोलने लगा आदित्य एल1

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सूर्य के अध्ययन के लिए भेजे गए आदित्य एल1 को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। इसरो का कहना है कि पृथ्वी की कक्षा में रहते हुए ही आदित्य एल-1 ने आंकड़े इकट्ठे करने शुरू कर दिए है। पृथ्वी से 50 हजार किलोमीटर की दूरी पर सुपर थर्म आयनों और ऊर्जावान कणों, इलेक्ट्रॉनों को नापने का काम आदित्य एल-1 में लगा पेलोड (STEP) शुरू कर चुका है। इसका पूरा नाम सुप्रा थर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर है। इस उपकरण के सेंसर ने काम करना शुरू कर दिया है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

430 करोड़ रुपये की परियोजनाएं

रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग फेज-II

नेहरू उद्यान अण्डरपास लक्ष्मी मंदिर तिराहा
सिल्वन जैव विविधता वन (आगरा रोड)

का

लोकार्पण

एवं

श्री गोविन्द देव जी मन्दिर क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्य
ईदगाह क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्य

सैटेलाइट हॉस्पिटल- शिवदासपुरा (टोंक रोड),
कानोता (आगरा रोड), बालमुकुन्दपुरा (अजमेर रोड)
राजस्थान उच्च न्यायालय के सामने भूमिगत पार्किंग

का

शिलान्यास

द्वारा

श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

अध्यक्षता

श्री शांति धारीवाल
माननीय मंत्री
नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त
शासन विभाग, राजस्थान

दिनांक: 21 सितंबर, 2023 | समय: दोपहर 12:00 बजे
स्थान: अल्बर्ट हॉल, रामनिवास बाग, जयपुर

रू. 94.95 करोड़ की लागत से
49,680 वर्गमीटर क्षेत्रफल (दो मंजिला) में
पार्किंग का निर्माण

वाहनों की कुल क्षमता
(915+1530)
2445 ECUs

प्रमुख सुविधाऐं

प्रवेश/निकास रैंप-4•लिफ्ट एवं सीढियाँ-6 •वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं दिव्यांगों हेतु ऊपरी भूतल पर अलग से आरक्षित पार्किंग का प्रावधान।•स्मार्ट पार्किंग टेक्नोलॉजी-स्मार्ट पार्किंग सॉल्यूशन के सेंसर पार्किंग करने हेतु दिशा-निर्देश एवं स्मार्ट कार्ड • विद्युत सब स्टेशन एवं डी.जी. सेट • फोर्स वेंटिलेशन सिस्टम •फायर फाइटिंग सिस्टम • सी.सी.टी.वी कैमरे पावर बैकअप के साथ•ड्राइवर हेतु प्रतिक्षा कक्ष एवं सुविधाएं

रू. 65 करोड़ की लागत से
400 मीटर लम्बाई में नेहरु उद्यान अंडरपास (लक्ष्मी मंदिर तिराहा)
का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य

टोंक रोड, लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर अंडरपास बनने से
सिग्नल मुक्त ट्रैफिक, जाम से निजात,
समय एवं ईंधन की बचत

तिराहे पर स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों की स्थापना

फुटपाथ एवं जेडीए पार्किंग का सौन्दर्यीकरण

शुद्ध ऑक्सीजन से भरपूर
आगरा रोड से 5 कि.मी. दूर सुमेल रोड़ पर 113 हेक्टेयर भूमि पर
विकसित किया गया

वॉकिंग ट्रैक का निर्माण व अन्य विकास कार्य सेन्ट्रल पार्क की तर्ज पर करवाया

1 लगून, 2 तलाई/ पोखर का निर्माण एवं राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों की चट्टानें, बैठने के लिए वुडन बैंच आदि लगाई गई

10000 बड़े वृक्ष, 10000 झाड़ियाँ, 3000 बेल, 20000 औषधी पौधे
0.5 हैक्टेयर घास क्षेत्र विकसित किये

जयपुर विकास प्राधिकरण
इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर - 302004

LIVE
प्रसारण देखने के लिए

स्कैन करें

लॉग ऑन करें
@AshokGehlot.Rajasthan